आषाढ़ शुक्ल - 30 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 340 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 10-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 जब आप हर चार दिन में दाढ़ी रंगते हैं तो समय आ गया है : विराट कोहली

6 धर्मांतरण का धंधा : विदेशी फंडिंग और सामाजिक विघटन का षड्यंत्र

7 हीरो बनने आए थे, 'बाबूजी' बनकर छा गए आलोक नाथ

फर्स्ट टेक

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर स्मारक डाक टिकट जारी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि भारतीय डाक विभाग ने जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर एक स्मारक डाक टिकट जारी किया है। सिंधिया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रखर राष्ट्रवादी नायक, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं दूरदर्शी राजनेता, श्रद्धेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय डाक द्वारा स्मारक डाक टिकट जारी किया गया।''

17 हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में दर्शन किए

श्रीनगर/भाषा। दक्षिण कश्मीर के हिमालय क्षेत्र पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर में बुधवार को करीब 17 हजार तीर्थयात्रियों ने भगवान शिव के दर्शन किए, जिससे इस साल शुरूआती पहले सप्ताह में यहां दर्शन करने वाले कुल तीर्थयात्रियों की संख्या 1 लाख 28 हजार पहुंच गई। अधिकारियों ने यहां जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को कुल 16,720 तीर्थयात्रियों ने दक्षिण कश्मीर स्थित हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचाई पर पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन किए।

'एक्स' की सीईओ ने पद से इस्तीफा दिया

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की अगुवाई वाले सोशल मीडिया मंच 'एक्स' की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) लिंडा याकारिनो ने अपने पद से हटने की बुधवार को घोषणा की। याकारिनो ने 'एक्स' पर अपनी एक पोस्ट में सीईओ पद से हटने की जानकारी दी। वह दो साल तक इस पद पर रही हैं। उन्होंने कहा, ''अभी सबसे अच्छा आना बाकी है क्योंकि एक्स, चैटबॉट ग्रोक बनाने वाली कृत्रिम मेधा कंपनी एक्सएआई के साथ एक नया अध्याय शुरू कर रही है।''

पाकिस्तान और तुर्किये रक्षा, आर्थिक संबंध प्रगाढ़ करने को सहमत हुए

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान और तुर्किये ने बुधवार को रक्षा, व्यापार, ऊर्जा एवं बुनियादी ढांचे सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपने सहयोग को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की, जिसका लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार को 5 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाना है। तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान और रक्षा मंत्री यासिर गुलेर की पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के साथ वार्ता के दौरान यह सहमति बनी।

ताकत के बजाय संवाद, साझेदारी से भविष्य को आकार देना होगा : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने 17 देशों की संसदों को संबोधित कर बनाया नया कीर्तिमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विंडहोक/भाषा। भारत द्वारा वैश्विक मामलों में अफ्रीका की भूमिका को महत्व देने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि दोनों पक्षों को एक ऐसे भविष्य का निर्माण करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए जो शक्ति और वर्चस्व से नहीं, बल्कि साझेदारी एवं संवाद के जरिये हो।

नामीबिया की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अफ्रीका को केवल कच्चे माल का स्रोत नहीं बनना चाहिए बल्कि इसे मूल्य संवर्धन और सतत विकास में अग्रणी होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें मिलकर काम करना होगा। आइए हम एक ऐसा भविष्य बनाएं जो शक्ति से नहीं बल्कि साझेदारी से, वर्चस्व से नहीं बल्कि संवाद से, बहिष्कार से नहीं बल्कि समता से परिभाषित हो।''

प्रधानमंत्री मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया

विंडहोक/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बुधवार को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एनशिएंट वेल्वित्चिया मिराबिलिस' से नवाजा गया। यह सम्मान नामीबिया की राष्ट्रपति नेटुम्बो नेंडी-नदैतवा द्वारा प्रदान किया गया। मोदी ने सम्मान से नवाजे जाने के बाद अपने संबोधन में कहा, ''नामीबिया का वेल्वित्चिया, जिसके नाम पर यह पुरस्कार रखा गया है, कोई साधारण पौधा नहीं है। यह परिवार के किसी बुजुर्ग सदस्य की तरह है, जिसने समय को गुजरते देखा है। यह नामीबिया के संघर्ष, साहस और संस्कृति का प्रतीक है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में अफ्रीका के साथ अपने सहयोग का विस्तार करने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा, ''अफ्रीका में हमारी विकास साझेदारी 12 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की है। लेकिन इसका वास्तविक मूल्य, साझा विकास और साझा उद्देश्य में निहित है। हम स्थानीय स्तर पर कौशल निर्माण, रोजगार सृजन और नवाचारों का समर्थन जारी रखेंगे।''

अपने संबोधन में मोदी ने भारत और नामीबिया के बीच मजबूत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''भारत नामीबिया के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को बहुत महत्व देता है।'' उन्होंने कहा कि भारत और नामीबिया के बीच सहयोग, संरक्षण और करुणा की एक सशक्त कहानी है।

प्राकृतिक खेती एक वैज्ञानिक प्रयोग, स्वास्थ्य के लिए बेहतर : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्राकृतिक खेती एक वैज्ञानिक प्रयोग है और अधिक उपज समेत इसके कई लाभ हैं। उन्होंने आगाह किया कि रासायनिक उर्वरकों के साथ गेहूं की खेती से अक्सर कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं।

शाह ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति रसायनों और उर्वरकों से मुक्त भोजन करता है, तो उसे किसी दवा की आवश्यकता नहीं होगी। वरिष्ठ भाजपा नेता ने यह भी कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद, वह अपना शेष जीवन प्राचीन भारतीय ग्रंथों वेदों, उपनिषदों और प्राकृतिक खेती को देंगे। शाह ने कहा, ''मैंने पहले ही निर्णय ले लिया है कि जब भी मैं सेवानिवृत्त होऊंगा, मैं अपना शेष जीवन वेदों, उपनिषदों और प्राकृतिक खेती को समर्पित करूंगा। प्राकृतिक खेती एक वैज्ञानिक प्रयोग है जिसके कई लाभ हैं।''

केंद्रीय मंत्री ने यह बात 'सहकार संवाद' के दौरान कही। यह अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर अहमदाबाद में गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान की महिला सहकारी कार्यकर्ताओं के साथ एक संवाद था।

शाह के गुजरात दौरे के दौरान अहमदाबाद की साइंस सिटी में पिछले शनिवार और रविवार को हुई इस बातचीत का वीडियो और प्रेस विज्ञप्ति बुधवार को जारी की गई।

उन्होंने कहा कि उर्वरकों का उपयोग करके उगाया गया गेहूं थायराइड, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर का कारण बन सकता है। शाह ने कहा, ''अगर आप रसायनों और उर्वरकों से मुक्त भोजन का सेवन करते हैं, तो आपको किसी दवा की आवश्यकता नहीं होगी।

छात्रों को कभी भी 'गोडसे के खेमे' की राह पर नहीं जाना चाहिए : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को कहा कि छात्रों को कभी भी गोडसे की राह पर नहीं चलना चाहिए और उन्हें राजनीति की समझ होनी चाहिए।

तिरुचिरापल्ली में जमाल मोहम्मद कॉलेज के 75 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा छात्रों से मिलना उन्हें हमेशा ऊर्जा प्रदान करता है। स्टालिन ने कहा कि कॉलेज के संस्थापक हाजी एम जमाल मोहम्मद साहब और एन एम खजामियन रोथर ने गांधीवादी मार्ग का अनुसरण किया। उन्होंने कहा, हमारे लिए कई रास्ते हैं; जैसे गांधीजी, डॉ. आंबेडकर और पेरियार द्वारा दिखायी गयी राह। आप छात्रों को कभी भी गोडसे के खेमे की राह पर नहीं चलना चाहिए।

शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए स्टालिन ने कहा कि यह उनकी स्थायी पूंजी होगी। उन्होंने कहा कि यदि तमिलनाडु एक टीम के रूप में एकजुट हो जाए तो कोई भी राज्य को हरा नहीं सकता।

स्टालिन ने कहा कि वह राजनीति पर बात नहीं कर रहे लेकिन इस बात पर जोर देना चाहते हैं कि छात्रों को राजनीति के बारे में समझ होनी चाहिए।

तीन जुलाई को, सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने पूरे राज्य में ओरानियिल तमिलनाडु (तमिलनाडु एक टीम) नाम से 45 दिनों का घर-घर जाकर सदस्यता अभियान शुरू किया।

वडोदरा में महिसागर नदी पर बना चार दशक पुराना

पुल ढहने से कई वाहन नदी में गिरे

- 11 लोगों की मौत, नौ अन्य को बचा लिया गया
- पुल के दो खंभों के बीच बने स्लैब का पूरा हिस्सा ढहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडोदरा/भाषा। गुजरात के वडोदरा जिले में बुधवार सुबह चार दशक पुराने एक पुल का हिस्सा ढह जाने से कई वाहन महिसागर नदी में गिर गए, जिससे भाई-बहन समेत 11 लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य को बचा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बचाए गए लोगों में से कुछ को चोटें आई हैं।

पुलिस अधीक्षक (वडोदरा ग्रामीण) रोहन आनंद ने बताया कि मध्य गुजरात को राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र से जोड़ने वाले गंभीरा पुल का एक 'स्लैब' ढह गया, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई।

पुल जिले में पादरा शहर के पास स्थित है। घटनास्थल के दृश्यों में देखा जा सकता है कि पुल के दो खंभों के बीच बने स्लैब का पूरा हिस्सा ढह गया। स्लैब के ढहने से पुल से गुजर रहे वाहन नदी में गिर गए।

आनंद ने बताया कि बचाए गए नौ लोगों में से पांच को वडोदरा के एसएसजी (सर सैयाजीराव जनरल) अस्पताल रेफर किया गया है। बचाए गए लोगों में से किसी की भी हालत गंभीर नहीं है। उन्होंने बताया कि सुबह करीब साढ़े सात बजे पुल का 10 से 15 मीटर लंबा स्लैब ढह गया।

वडोदरा के जिलाधिकारी अनिल धमेलिया ने बताया कि पुल ढहने के बाद पांच वाहन – दो ट्रक, दो वैन, एक ऑटोरिक्शा और एक दोपहिया – नदी में गिर गए।

जिलाधिकारी ने बताया कि दो अन्य वाहन जो गिरने ही वाले थे, उन्हें खींचकर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। उन्होंने बताया कि नदी में गिरे दोपहिया वाहन पर सवार तीन लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल : पश्चिम बंगाल में छिटपुट हिंसा, हालात रहे सामान्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार की श्रम नीतियों के विरोध में कई ट्रेड यूनियन द्वारा आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल के कारण देश के अधिकांश हिस्सों में जनजीवन प्रभावित नहीं हुआ हालांकि पश्चिम बंगाल से छिटपुट हिंसा की कुछ घटनाएं सामने आईं। ट्रेड यूनियन ने दावा किया कि हड़ताल सफल रही और बड़ी संख्या में कर्मचारी काम पर नहीं पहुंचे, जिससे डाक, बैंकिंग, बीमा और खनन क्षेत्रों पर असर पड़ा।

आंदोलन हालांकि कुल मिलाकर शांतिपूर्ण रहा लेकिन पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में वामपंथी कार्यकर्ताओं और पुलिस व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थकों के बीच झड़प के बाद हिंसा की खबरें आईं।

दस ट्रेड यूनियन के एक संगठन ने एक बयान में कहा कि पुडुचेरी, असम, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक, गोवा, मेघालय और मणिपुर जैसे देश के कई राज्यों में बंद जैसी स्थिति रही। वहीं राजस्थान, हरियाणा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में भी आंशिक बंद की खबरें सामने आईं।

बयान के मुताबिक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात में औद्योगिक व क्षेत्रीय हड़तालें हुईं।

बयान के मुताबिक, ट्रेड यूनियनों ने चार श्रम संहिताओं को खत्म करने, ठेकाकरण, सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण रोकने, न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर 26,000 रुपए प्रति माह करने, साथ ही स्वामीनाथन आयोग के 'सी2 प्लस 50' प्रतिशत के फॉर्मूले के आधार पर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और किसानों की कर्ज माफी की किसान संगठनों की मांगों के समर्थन में एक दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया था।

संगठन ने पिछले वर्ष श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को 17 सूत्री मांग सौंपी थीं। मंच ने दावा किया कि सरकार पिछले 10 वर्षों से वार्षिक श्रम सम्मेलन आयोजित नहीं कर रही है।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को बाजार खुले रहे और बंद का व्यावसायिक गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

स्टारलिंक को भारत में उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा शुरू करने की अनुमति

नई दिल्ली/भाषा। भारत के अंतरिक्ष नियामक इन-स्पेस ने अरबपति उद्योगपति एलन मस्क की स्टारलिंक को देश में उपग्रह-आधारित इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने का लाइसेंस प्रदान किया है। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) ने बयान में कहा, इन-स्पेस ने 'मेसर्स स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड' को 'लो अर्थ ऑर्बिट' (निचली कक्षा के) उपग्रहों के समूह यानी 'स्टारलिंक जेन1' की व्यवस्था करने को मंजूरी प्रदान की है। इससे एसएससीपीएल भारत में उपग्रह संचार सेवाएं प्रदान करने में सक्षम हो सकेगी। यह सेवा मंजूरी आठ अप्रैल से पांच साल की अवधि के लिए या 'जनरेशन 1' समूह के परिचालन जीवन की समाप्ति तक, जो भी पहले हो, के लिए वैध है। सेवाओं का क्रियान्वयन निर्धारित नियामकीय प्रावधानों और संबंधित सरकारी विभागों से अपेक्षित मंजूरी, अनुमोदन और लाइसेंस के अधीन है।

ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया : रूबियो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने दावा किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में वाशिंगटन ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध ''रुकवाया और उसे समाप्त करवाया।''

व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में मंगलवार को कैबिनेट बैठक में ट्रंप के पास बैठे रूबियो ने कहा, ''राष्ट्रपति महोदय, मैं यहां एक सूची पर नजर दौड़ा रहा हूं... घरेलू स्तर पर हासिल की गई इन सभी उपलब्धियों (की सूची) पर... हमने आपके नेतृत्व में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया और उसे समाप्त करवाया।''

रूबियो ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा के बीच शांति समझौते का भी जिक्र करते हुए कहा, ''12-दिवसीय युद्ध जो एक अमेरिकी ऑपरेशन के साथ समाप्त हुआ। हम दुनिया के एकमात्र देश हैं, जो ऐसा कर सकते हैं। उम्मीद है कि बहुत जल्द अजरबैजान और आर्मीनिया के बीच शांति समझौता होगा।'' उन्होंने कहा, ''सीरिया और लेबनान के कारण अब पूरे पश्चिम एशिया और इसके बुनियादी ढांचे में बदलाव की संभावना है। अभी छह महीने भी नहीं हुए हैं। यह आपके नेतृत्व और टीम के शानदार काम का प्रमाण है।''

ट्रंप ने एक दिन पहले अपने इस दावे को दोहराया था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रुकवाया, जो कि परमाणु युद्ध में बदल सकता था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया था कि उन्होंने दोनों पड़ोसी देशों से कहा था कि अगर वे युद्ध जारी रखते हैं, तो वाशिंगटन उनके साथ व्यापार नहीं करेगा।

ट्रंप यह दावा कई बार कर चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को व्यापार समझौते के जरिये खत्म करवाया।

दूसरी तरफ, भारत का कहना है कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) की ओर से संपर्क किए जाने के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर विचार किया गया।

सूर्यास्त	सूर्योदय
10-07-2025 6:39 बजे	11-07-2025 5:49 बजे

BSE	NSE
83,536.08 (-176.43)	25,476.10 (-46.40)

सोना	चांदी
10,177 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	120,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी परिंदे

बड़े ही जोर से चहके,
सुरों से मन लुभावी हैं।
उड़ानें भर रहे जो भी,
समझना सब दिखावी हैं।
कभी मंदिर में चिंचियाते,
कभी मस्जिद में हावी हैं।
उड़ेंगे वोट दानें चुग,
परिंदे ये चुनावी हैं।।

उत्तराखंड: साधु-संतों ने कांवड़ यात्रा में गैर हिंदुओं के प्रवेश, व्यवसाय पर रोक लगाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरिद्वार/भाषा। साधु-संतों ने उत्तराखंड सरकार से 11 जुलाई से शुरू हो रही कांवड़ यात्रा की धार्मिक मर्यादा और पवित्रता बनाए रखने के लिए उसमें गैर हिंदुओं के प्रवेश और व्यवसाय पर रोक लगाने की बुधवार को मांग की।

भारत साधु समाज के संतों ने यहां एक बैठक में कांवड़ यात्रा में मुसलमान समुदाय के लोगों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने की मांग की। इससे पहले, जूना अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरि भी इस संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को एक पत्र लिख चुके हैं । बैठक के बाद हिंदू रक्षा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी प्रबोधानंद ने यात्रा मार्ग पर खाद्य पदार्थों की पवित्रता बनाए रखने के लिए गैर हिंदुओं की पहचान सुनिश्चित करने और मुसलमानों के कांवड़ ले जाने पर भी रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा, कांवड़ यात्रा में जेहादी मानसिकता वाले लोगो को नहीं घुसने दिया जाना चाहिए । प्रशासन खाद्य पदार्थों की दुकानों में भी गैर हिंदुओं की पहचान सुनिश्चित करे ताकि खान-पान में पवित्रता बनी रहे।

इसी के साथ, उन्होंने शिव भक्तों से भी अपील की कि वह मुसलमानों द्वारा बनाई गयी कांवड़ को नहीं लेकर जाए क्योंकि इससे भगवान शिव के अभिषेक के लिए ले जाया गया गंगा जल अपवित्र हो जाता है। उन्होंने कहा, शिव भक्त कांवड़ को शुद्ध रूप में लेकर जाएं। अगर हिंदू खुद कांवड़ नहीं बना सकते तो वे एक डंडे में रस्सी से गंगा जल के पात्र को बांधकर ले जाए जिससे गंगा जल की पवित्रता बनी रहे। यतींद्रानंद गिरि ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि हर वर्ष श्रावण मास में होने वाली कांवड़ यात्रा सनातन धर्म की एक अत्यंत पवित्र, भावनात्मक व आस्था से जुड़ी यात्रा है जिसे हाल के वर्षों में विधर्मियों से गहरी चुनौती मिल रही है । उन्होंने कहा कि गैर हिंदू समुदाय के लोग कांवड़ यात्रा मार्ग पर भगवा वस्त्र, भगवान शिव के चित्र व कांवड आदि की बिक्री करते हैं।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, पूजा सामग्री को मिलावट कर अपवित्र करने तथा सेवा के नाम पर भोजन व खाद्य सामग्री आदि के वितरण में मिलावट व थूक मिलाने जैसी गंभीर घटनाएं भी सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से सामने आती रही हैं।

माल ढुलाई गलियारे पर देश के पहले निजी टर्मिनल की गुजरात में शुरुआत

नई दिल्ली/भाषा। माल ढुलाई गलियारों का संचालन करने वाले रेल उपक्रम डीएफसीसीआईएल ने बुधवार को गुजरात में सूरत के पास अपने पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) मार्ग पर देश के पहले निजी टर्मिनल की शुरुआत की।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (डीएफसीसीआईएल) ने एक बयान में 'गति शक्ति कार्गो टर्मिनल' के उद्घाटन की जानकारी दी। करीब 120 एकड़ में फैले इस टर्मिनल को सांवरिया शक्ति समूह ने बनाया है।

यह टर्मिनल, माल ढुलाई गलियारे के संजली स्टेशन और भारतीय रेलवे के पनोली स्टेशन के बीच रणनीतिक रूप से स्थित है।

डीएफसीसीआईएल के प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार ने इसे माल ढुलाई गलियारे की लॉजिस्टिक विस्तार रणनीति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

उन्होंने कहा कि यह पहल माल ढुलाई को सड़क से रेल की ओर प्रोत्साहित करने में मदद करेगी।

नागपुर जिले में भारी बारिश और बाढ़ से युवक की मौत, 71 गांवों से संपर्क टूटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में भारी बारिश और बाढ़ संबंधी दो अलग-अलग घटनाओं में बुधवार को एक युवक की मौत हो गई जबकि एक बाढ़ में बह गया। जिले के 71 गांवों का भी संपर्क टूट गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार के लिए नागपुर और वर्धा जिलों के लिए 'रेड' अलर्ट जारी किया जबकि अमरावती और यवतमाल के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट, और महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के अकोला, वाशिम, बुलढाणा, चंद्रपुर, भंडारा और गोंदिया जिलों के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया है।

एक अधिकारी ने बताया कि नागपुर जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर कलमेश्वर तहसील के बोरगांव निवासी अनिल हनुमंत पानपट्टे (35) सुबह लगभग 7.30 बजे एक उफनते नाले में बह गए। उन्होंने बताया कि पानपट्टे का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि तड़के करीब चार बजे कार्तिक शिवशंकर लाडसे (18) यहां से करीब 30 किलोमीटर दूर उप्पलवाड़ी में एक उफनते नाले में गिर गया।

उन्होंने बताया कि बाद में उसका शव बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक हर्ष पोद्दार ने बताया कि भारी बारिश के कारण ग्रामीण नागपुर के 71 गांवों का सड़क संपर्क टूट गया है। उन्होंने बताया कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की मदद से प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए आईएमडी द्वारा जारी 'रेड' अलर्ट के मद्देनजर नागपुर जिला प्रशासन ने बुधवार को सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया है। जिला सूचना कार्यालय के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में हुई भारी बारिश के बाद नालों और नदियों के जलस्तर में वृद्धि के मद्देनजर नागपुर से गुजरने वाले कुछ राज्य राजमार्गों को भी यातायात के लिए बंद कर दिया गया है।

शिक्षकों के मुद्दों को लेकर सरकार सकारात्मक, विपक्ष राजनीति कर रहा: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि सरकार यहां विरोध प्रदर्शन कर रहे सरकारी सहायता प्राप्त और गैर सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों के मुद्दों का समाधान करने के प्रति सकारात्मक है। विधान परिषद में उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधा और उस पर इस मामले में राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर शिक्षक राजनीति में लिप्त हैं तो ये सही नहीं है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकार इस मामले को सुलझाने के लिए सकारात्मक है। यह हमारी प्रतिबद्धता है, लेकिन हमारे अपने मुद्दे हैं और हम उन्हें चर्चा के लिए आमंत्रित करेंगे।'' फणडवीस ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंत्री गिरीश महाजन प्रदर्शनकारी शिक्षकों के साथ समन्वय कर रहे हैं।

दक्षिण मुंबई के आज़ाद मैदान में सरकारी सहायता प्राप्त और गैर सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है। उनका आरोप है कि सरकार ने घोषणाओं के बावजूद उनके संस्थानों को मिलने वाले अनुदान में कोई वृद्धि नहीं की है। साथ ही, उन्हें मिलने वाला अनुदान अब किश्तों में दिया जा रहा है, जिससे उनके स्कूलों के प्रबंधन में बाधा आ रही है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) नेता शरद पवार ने सुबह शिक्षकों से मुलाकात की। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से इस विरोध प्रदर्शन को हल करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की मांग की। फडणवीस ने कहा, ''विपक्ष हम पर उंगली उठा रहा है, लेकिन उनकी चार उंगलियां उन्हीं की ओर हैं। आपने (पिछली कांग्रेस सरकार ने) इन सभी संस्थानों को स्थायी रूप से गैर-सहायता प्राप्त संस्थान बनाने की मंजूरी दी थी। आपने स्थायी रूप से शब्द हटा दिया। फिर आपने उन्हें एक पैसा भी नहीं दिया।''

सेमीकंडक्टर कंपनी एनवीडिया 4,000 अरब डॉलर के साथ सबसे मूल्यवान कंपनी बनी

न्यूयॉर्क/एपी। दिग्गज सेमीकंडक्टर कंपनी एनवीडिया निवेशकों का समर्थन जारी रहने से बुधवार को 4,000 अरब डॉलर का मूल्यांकन हासिल करने वाली पहली सार्वजनिक कंपनी बन गई।

बुधवार को शुरुआती कारोबार में एनवीडिया के शेयरों के दाम 2.5 प्रतिशत चढ़कर 164 डॉलर प्रति शेयर के पार पहुंच गए। यह इस लिहाज से खासा अहम है कि वर्ष 2023 की शुरुआत में एनवीडिया के शेयर सिर्फ 14 डॉलर प्रति शेयर के भाव पर थे। एनवीडिया की ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू), चिपसेट और संबंधित सॉफ्टवेयर के डिजाइन और निर्माण में महारत है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में इसका ध्यान कृत्रिम मेधा (एआई) और हाई-परफॉरमेंस कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में काफी बढ़ा है। पिछले कुछ वर्षों में एआई को लेकर दुनिया भर में मची हलचल के दम पर एनवीडिया अमेरिकी शेयर बाजार की सबसे बड़ी कंपनी बन गई है।

इसने प्रौद्योगिकी कंपनियों माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, अमेजन और गूगल को पीछे छोड़ दिया है। स्थिति यह है कि अब इसके शेयरों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का एसएंडपी 500 एवं अन्य सूचकांकों पर एप्पल को छोड़कर किसी भी दूसरी कंपनी से ज्यादा असर पड़ता है। दो साल पहले एनवीडिया का बाजार मूल्य 600 अरब डॉलर से भी कम था। लेकिन एआई को लेकर दुनिया भर में जारी गतिविधियों ने सेमीकंडक्टर चिप कंपनी के भाव काफी ऊंचे स्तर पर पहुंचा दिए। एनवीडिया एआई से लाभान्वित होने वाली कुछ प्रमुख कंपनियों में शामिल है। एआई पर केंद्रित इन कंपनियों के शेयरों के भाव चढ़ने से ही एसएंडपी 500 सूचकांक ने लगातार नए रिकॉर्ड स्तर छुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया, यूएई, ब्रिटेन के साथ एफटीए से कृषि क्षेत्र को बेहतर बाजार पहुंच मिलेगी : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ब्रिटेन जैसे विकसित बाजारों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) घरेलू कृषि क्षेत्र के लिए बेहतर बाजार पहुंच प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक सुस्ती के बावजूद भारत का कृषि, पशुपालन और मत्स्य निर्यात चार लाख करोड़ रुपए का रहा है।

गोयल ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, हम विकसित बाजारों- ऑस्ट्रेलिया, यूएई, ईएफटीए, ब्रिटेन के साथ एफटीए कर रहे हैं.....इन समझौतों के माध्यम से हमने अपने कृषि क्षेत्र के लिए नए बाजार खोले हैं। भारत ने 2022 में ऑस्ट्रेलिया और यूएई के साथ व्यापार समझौते लागू किए। चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के साथ एफटीए पर मार्च, 2024 में हस्ताक्षर किए गए, और इस वर्ष के अंत में इसके लागू होने की उम्मीद है। ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते की घोषणा मई में की गई थी। इस पर जल्द ही हस्ताक्षर होने की संभावना है। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य आयरलैंड, लीशटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं।

एप्पल ने भारतीय मूल के सबीह खान को सीओओ नियुक्त किया

नई दिल्ली/भाषा। एप्पल इंक ने भारतीय मूल के सबीह खान को मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त किया है। आईफोन विनिर्माता कंपनी ने बयान में बताया कि एप्पल में 30 वर्ष से सेवारत खान (58) वर्तमान में वरिष्ठ उपाध्यक्ष-परिचालन हैं। वह इस महीने के अंत में जेफ विलयम्स की जगह लेंगे।

एप्पल में शामिल होने से पहले 1995 में उन्होंने जीई प्लास्टिक्स में 'एप्लिकेशन डेवलपमेंट इंजीनियर' और प्रमुख 'अकाउंट टेक्निकल लीडर' के रूप में काम किया। खान का जन्म उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में 1966 में हुआ। अमेरिका में बसने से पहले उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा सिंगापुर में पूरी की। उन्होंने टफ्ट्स विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग में दोहरी स्नातक उपाधियां और रेनसेलर पॉलिटेक्निक संस्थान (आरपीआई) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है। खान ने करीब तीन दशक तक कंपनी में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। 2019 में उन्हें कंपनी का वरिष्ठ उपाध्यक्ष (परिचालन) बनाया गया था। पिछले छह वर्ष में उन्होंने एप्पल की वैश्विक आपूर्ति शृंखला का नेतृत्व किया और योजना, खरीद, विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स एवं उत्पाद पूर्ति की देखरेख की है।

ईडी ने 'डंकी रूट' मामले में पंजाब, हरियाणा में छापे मारे

जालंधर (पंजाब)/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस साल अमेरिका द्वारा प्रत्यर्पित किए गए अवैध भारतीय प्रवासियों से जुड़े 'डंकी रूट' मामले की धन शोधन की एक जांच के सिलसिले में पंजाब और हरियाणा के कई शहरों में बुधवार को छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि दो राज्यों में कम से कम 11 शहरों- पंजाब में अमृतसर, संगरूर, पटियाला और मोगा तथा हरियाणा में अंबाला, कुरुक्षेत्र और करनाल में संदिग्धों और एजेंटों के कार्यालयों व आवासों की धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत तलाशी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि धन शोधन का यह मामला पंजाब और हरियाणा पुलिस द्वारा उन यात्रा/वीजा एजेंटों और बिचौलियों के खिलाफ दर्ज 17 प्राथमिकियों से उपजा है, जिन्होंने अवैध रूप से अमेरिका जाने के इच्छुक विभिन्न लोगों के साथ धोखाधड़ी की।

इस साल फरवरी में इन दोनों राज्यों और कुछ अन्य राज्यों से कई भारतीयों को अमेरिकी सैन्य विमानों से भारत प्रत्यर्पित किया था और बाद में ईडी ने कुछ निर्वासित लोगों के बयान दर्ज किए थे। सूत्रों ने बताया कि इन बयानों और इससे संबंधित जांच से कुछ संदिग्धों के नाम सामने आए हैं और उनकी तलाश की जा रही है। एजेंट विदेश जाने के इच्छुक निर्दोष लोगों को ''निशाना'' बनाते थे और उन्हें कानूनी माध्यमों और उड़ानों के जरिए अमेरिका भेजने का झूठा वादा करके हर व्यक्ति से 45-50 लाख रुपए वसूलते थे।

शरद पवार ने शिक्षकों के आंदोलन पर महाराष्ट्र सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को महाराष्ट्र सरकार से मांग की कि राज्य भर के सरकारी सहायता प्राप्त और आंशिक रूप से सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों द्वारा यहां किए जा रहे विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर उनकी मांगों के समाधान के लिए वह तत्काल कार्रवाई करे।

शरद पवार ने दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में आंदोलनरत शिक्षकों से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा कि सरकार को इस मामले में देरी नहीं करनी चाहिए। शिक्षकों का कहना है कि सरकार ने घोषणा के बावजूद उनके स्कूलों को दी जाने वाली अनुदान राशि में वृद्धि नहीं की है। इसके अलावा, जो अनुदान दिया जा रहा है, वह किस्तों में मिल रहा है जिससे स्कूलों के संचालन में कठिनाई हो रही है। पवार ने कहा, राज्य सरकार को इस मुद्दे का समाधान करने में एक दिन से ज्यादा का समय नहीं लेना चाहिए। मैं पिछले 56 वर्षों से विभिन्न विधायी सदनों में काम कर चुका हूं, मुझे पता है निर्णय कैसे लिए जाते हैं। पवार के साथ लोकसभा सदस्य निलेश लंके और विधायक रोहित पवार भी मौजूद थे। उन्होंने किस्तों में अनुदान जारी करने की प्रक्रिया की आलोचना करते हुए कहा, वास्तविक वित्तीय आवंटन के बिना आदेश जारी करना बेकार है। ऐसे आदेशों को रद्दी की टोकरी में फेंक देना चाहिए। सरकार अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकती।

शिक्षक बीते चार दिनों से राज्य विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

पवार ने कहा, चाहे वह सरकारी हों या अर्ध-सरकारी कर्मचारी, सभी महत्वपूर्ण हैं। शिक्षक समाज को ज्ञान देने का कार्य करते हैं। राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उन्हें सम्मानजनक और गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर दें।

विकास संबंधी चुनौतियां हमारे सामने हैं, 'भाषाई श्रेष्ठताबोध' से बचें : भाजपा नेता राम माधव

मुंबई/भाषा। वरिष्ठ भाजपा नेता राम माधव ने बुधवार को ऐसे समय में ''भाषाई श्रेष्ठताबोध'' से बचने का सुझाव दिया, जब विकास संबंधी चुनौतियां सामने हैं। 'इंडिया फाउंडेशन' के अध्यक्ष माधव ने कहा कि प्रत्येक स्थानीय भाषा का सम्मान करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भावनात्मक मुद्दों पर हिंसा या उसे भड़काने से बचा जाना चाहिए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा माधव की हालिया पुस्तक 'द न्यू वर्ल्ड' पर यहां आयोजित परिचर्चा के दौरान भाजपा नेता ने कहा, ''हमें भाषाई श्रेष्ठताबोध की ओर नहीं बढ़ना चाहिए, क्योंकि विकास जैसी कहीं चुनौतियां हमारे सामने हैं।''

महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने के प्रयास के बाद त्रि-भाषा नीति को लेकर जारी बहस के बीच माधव ने कहा कि लोगों को हर राज्य की स्थानीय भाषा का सम्मान करना चाहिए।

नोबेल पुरस्कार की बात पर भाजपा का अरविंद केजरीवाल पर तंज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल के उस बयान को लेकर उन पर तंज कसा जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें उनके शासन मॉडल के लिए नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। सचदेवा ने उनकी टिप्पणी को ''हास्यास्पद'' बताया।

सचदेवा ने कहा कि यदि ''अक्षमता'' और ''भ्रष्टाचार'' के लिए नोबेल पुरस्कार की श्रेणियां होतीं, तो केजरीवाल को अवश्य ही यह पुरस्कार मिल जाता। वहीं, 'आप' ने पलटवार करते हुए भाजपा से कहा कि वह तंज कसने के बदले दिल्ली में शासन पर ध्यान दे।

आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक बयान में कहा, ''वीरेंद्र सचदेवा अब सरकार में हैं। अब सिर्फ बातें करने का समय नहीं, काम करने का समय है। विपक्ष में रहने के दिन गए। अब कार्य करना होगा। दिल्ली को आपके काम का इंतज़ार है, न कि ध्यान भटकाने वाले बयानों और तंज कसने का।'' मंगलवार को चंडीगढ़ में ''केजरीवाल मॉडल'' नामक पुस्तक के पंजाबी संस्करण के विमोचन कार्यक्रम में आप प्रमुख ने दिल्ली में अपनी पिछली सरकार के शासन मॉडल की चर्चा की।

दिल्ली में शासन के दौरान चुनौतियों का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा, ''हमें काम करने से रोका गया, इसके बावजूद हमने अच्छा काम किया। मुझे शासन और प्रशासन में किए गए कार्यों के लिए नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए।'' सचदेवा ने केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा, ''यदि अराजकता, भ्रष्टाचार और अक्षमता की श्रेणियों में नोबेल पुरस्कार होता, तो वह जरूर विजेता होते।'' उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल के शासनकाल में कई घोटाले हुए जिनमें मुख्यमंत्री आवास के निर्माण में भारी खर्च शामिल है। भाजपा मुख्यमंत्री आवास को ''शीशमहल'' कहती रही है।

आम किसानों के संकट की 'अनदेखी' करने के लिए

जगन ने आंध्र प्रदेश सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तूर/भाषा। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने बुधवार को आंध्र प्रदेश की तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) सरकार पर आम किसानों के संकट की 'अनदेखी' करने का आरोप लगाया।

रेड्डी ने आम किसानों से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनीं और गिरती कीमतों के कारण फसल की खरीद न होने से प्रभावित लोगों को सांत्वना दी। उन्होंने 76,000 किसानों द्वारा उगाए गए 6.45 लाख टन आम की तत्काल खरीद की मांग की। रेड्डी ने बंगारुपलेम बाजार में प्रेसवार्ता में पूछा, पुलिस की धमकियों के बावजूद हजारों किसान अपनी पीड़ा व्यक्त करने (बाजार) आए। सरकार ने उन्हें रोकने के लिए 2,000 कर्मियों को तैनात किया। क्या किसानों के साथ ऐसा ही व्यवहार किया जाता है? रेड्डी के आम बाजार दौरे से पहले सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। पुलिस ने ये पाबंदियां हाल में रेड्डी के पालनाडु जिले के रेंटापल्ला गांव के दौरे के बाद लगाई हैं, जहां रेड्डी के काफिले की एक गाड़ी से कुचलकर वाईएसआरसीपी के एक समर्थक की कथित तौर पर मौत हो गई थी और एक अन्य समर्थक की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार, वाईएसआरसीपी ने 'नकदी, शराब और यात्रा सहायता' की बदौलत लगभग 25,000 लोगों को जुटाने की कोशिश की । बाद में 377 लोगों को नोटिस जारी किए गए, जिनमें 55 आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोग शामिल थे। पूर्व मुख्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि मूल फसलों के लिए भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का अभाव है। उन्होंने कहा, धान 300 रुपए से नीचे बिक रहा है। ज्वार, मूंग और आम का भी कोई निश्चित मूल्य नहीं है। वाईएसआरसीपी सुप्रीमो ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर मई में खरीद शुरू करने में 'विफल' रहने का आरोप लगाया।

रेड्डी के अनुसार इस वजह से 'आम बाजार पूरी तरह से ध्वस्त' हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की निष्क्रियता के कारण फलों के गूदे का प्रसंस्करण करने वाली कंपनियों ने कीमतें कम कर दी हैं। उन्होंने जानना चाहा कि सरकार द्वारा वादा किए गए 12 रुपए प्रति किलोग्राम समर्थन दर पर कितनी उपज खरीदी गई। रेड्डी ने तुलना करते हुए कहा कि वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान आम 22 से 29 रुपए प्रति किलोग्राम बिकता था।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के हस्तक्षेप के बाद आम की कीमत 16 रुपए प्रति किलो तय की गई। रेड्डी ने आंध्र सरकार से पूरी फसल तुरंत खरीदने की मांग की और किसानों के हितों की रक्षा के लिए आंदोलन की चेतावनी दी।

हैदराबाद में मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, होटल उद्यमी गिरफ्तार

हैदराबाद/भाषा। शहरी सामाजिक क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी पर एक बड़ी कार्रवाई के तहत एक होटल उद्यमी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10 ग्राम कोकीन के साथ मादक पदार्थ जब्त किए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईगल (एलीट एक्शन ग्रुप फॉर ड्रग लॉ एन्फोर्समेंट) की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, साइबराबाद नारकोटिक्स पुलिस थाने की एक टीम ने सात जुलाई को कोमपल्ली में अपने रेस्तरां के निकट 34 वर्षीय एक व्यक्ति को उस समय रोका, जब वह एक कार से जा रहा था।

जम्मू-कश्मीर: हैदराबाद के कारोबारी से तीन करोड़ रुपए की ठगी

जम्मू/भाषा। हैदराबाद के एक कारोबारी को दुर्लभ रत्न नीलम में निवेश करने का सपना उस समय महंगा पड़ गया जब ठगों ने स्वयं को रत्न कारोबारी बताकर उससे तीन करोड़ रुपए ठग लिए। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, पुलिस की मदद से व्यवसायी को 62 लाख रुपए वापस मिल गए। उन्होंने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 107 के तहत आरोपियों की संपत्ति कुर्क करने के लिए कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है जिसके तहत शिकायतकर्ता को ठगी गई राशि वापस दिलाने के लिए संपत्ति कुर्क और जब्त की जा सकती है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि हैदराबाद के मीर फिरासत अली खान ने पिछले साल बाहु फोर्ट पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि जम्मू के कुछ लोगों ने उन्हें प्रसिद्ध कश्मीरी नीलम के नाम पर नकली हीरे बेचने की कोशिश की थी।

बुधवार को तिरुचिरापल्ली के जमाल मोहम्मद कॉलेज में कोरल जुबली वर्ष और ग्लोबल इम्युनिटी ब्लॉक भवन के उद्घाटन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया। छात्रों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

छात्रों को कभी भी 'गोडसे के खेमे' की राह पर नहीं जाना चाहिए : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को कहा कि छात्रों को कभी भी गोडसे की राह पर नहीं चलना चाहिए और उन्हें राजनीति की समझ होनी चाहिए।

यहां एक कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हमारे लिए कई रास्ते हैं; जैसे गांधीजी, डॉ. अंबेडकर और पेरियार द्वारा दिखायी गयी राह। आप छात्रों को कभी भी गोडसे के खेमे की राह पर नहीं चलना चाहिए।

शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए स्टालिन ने कहा कि यह उनकी स्थायी पूंजी है। उन्होंने कहा कि यदि तमिलनाडु एक टीम के रूप में एकजुट हो जाए तो कोई भी राज्य को हरा नहीं सकता। स्टालिन ने कहा कि वह राजनीति पर बात नहीं कर रहे लेकिन इस बात पर जोर देना चाहते हैं कि छात्रों को राजनीति के बारे में समझ होनी चाहिए।

बुधवार को तिरुचिरापल्ली स्थित जमाल मोहम्मद कॉलेज के कोरल महोत्सव में ग्लोबल जमालियंस ब्लॉक भवन का उद्घाटन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया।

इस समारोह में नगर प्रशासन मंत्री के.एन. नेहरू, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. कोवि. चेझियान, स्कूली शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री सिवन मयनाथन, उद्योग, निवेश संवर्धन एवं वाणिज्य मंत्री डॉ. टी.आर.पी. राजा, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. कादर मोहिदीन, संसद सदस्य त्रिची शिवा, नवाज कानी, कवियत्री सलमा, विधान सभा सदस्य इनिगो इरुदयाराज, अब्दुल समद, तिरुचिरापल्ली निगम के महापौर एम. अनबाझगन, ह्यूमनिस्ट डेमोक्रेटिक पार्टी के राज्य अध्यक्ष तमीमुन अंसारी, जमाल मोहम्मद कॉलेज के अध्यक्ष जमाल मोहम्मद बिलाल, सचिव काजा राजिमुद्दीन, कोषाध्यक्ष जमाल मोहम्मद, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जॉर्ज अमलारेथिनम और कॉलेज की प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

श्रमिक संगठनों की हड़ताल : पुडुचेरी में दुकानें बंद, निजी बस, ऑटो सड़कों से नदारद दिखे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। केंद्र सरकार की चार नयी श्रम संहिताओं सहित कथित श्रमिक विरोधी नीतियों के विरोध में 10 श्रमिक संगठनों द्वारा आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल के कारण बुधवार को पुडुचेरी में निजी बसें, ऑटो और टेंपो सड़कों से नदारद दिखे। एक सूत्र ने बताया कि निजी स्कूलों के प्रबंधन ने एहतियात के तौर पर छुट्टी की घोषणा की, जबकि दुकानें, प्रतिष्ठान, सब्जी एवं मछली बाजार बंद रहे। श्रम संगठनों की मांगों में चार श्रम संहिताओं को खत्म करना, ठेका प्रणाली समाप्त करना, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का निजीकरण बंद करना तथा न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाकर 26,000 रुपये प्रति माह करना शामिल है।

इसके अलावा किसान संगठनों की मांगें भी शामिल हैं, जो स्वामीनाथन आयोग के सी2 प्लस 50 प्रतिशत के फॉर्मूले के आधार पर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और किसानों के लिए ऋण माफी की मांग कर रहे हैं। सरकारी कार्यालयों में विभागाध्यक्षों ने उपस्थिति की निगरानी की। सूत्रों ने बताया कि विभागाध्यक्षों को आज अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों का विवरण अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने को कहा गया है। कर्मचारी दोपहिया वाहनों से कार्यस्थलों पर पहुंचे। प्रादेशिक प्रशासन ने एक आदेश के माध्यम से अपने स्टाफ और कर्मचारियों को चेतावनी दी कि बिना पूर्व अनुमति के किसी की भी अनुपस्थिति पर आचरण नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी और कर्मचारियों की अनधिकृत अनुपस्थिति को सेवा में व्यवधान माना जाएगा। पुडुचेरी की सीमा के प्रमुख कई शॉपिंग सेंटर में सन्नाटा पसरा रहा, दुकानदारों ने हड़ताल के आह्वान पर अपनी दुकानें बंद कर दीं। विभिन्न श्रमिक संगठनों के सदस्यों और नेताओं ने विभिन्न स्थानों पर 'रोड रोको' आंदोलन किया और गिरफ्तारियां दीं। प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया था। समूहों में सरकारी बसों का संचालन किया गया। बिजली और पानी की आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं आया। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि ऑटो और टेंपो सड़कों से नदारद रहने के कारण अस्पतालों में मरीजों की संख्या सामान्य से कम रही। स्वच्छ भारत अभियान से जुड़े सफाई कर्मचारियों ने हमेशा की तरह सफाई का काम किया।

'आईओबी' की नई ऋण योजना 'आइओबी ईज़ी प्लॉट' का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, इण्डियन ओवरसीज़ बैंक (आईओबी) ने आईओबी ईज़ी प्लॉट' नामक एक नवीन खुदरा ऋण उत्पाद का शुभारंभ किया है। यह योजना ऐसे व्यक्तियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई है, जो आवासीय भूखण्ड क्रय कर भविष्य में, बैंक वित्तपोषण के साथ अथवा बिना, उस पर आवास निर्माण का इरादा रखते हैं। यह उत्पाद भूखण्ड खरीद के लिए सुविधाजनक एवं संरचित वित्तीय समाधान प्रदान करता है।

'आईओबी ईज़ी प्लॉट' योजना के अंतर्गत पात्र उधारकर्ता राज्य एवं केंद्र सरकार की विकास प्राधिकृतियों, वैधानिक संस्थाओं, विधिसम्मत अनुमोदन प्राप्त प्रतिष्ठित निजी बिल्डरों, स्वीकृत निजी कॉलोनियों तथा रेरा अनुमोदित परियोजनाओं से आवासीय भूखण्ड क्रय करने हेतु ऋण सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना में सरकारी आवास विकास प्राधिकरणों द्वारा प्रदत्त भूखण्ड भी सम्मिलित है। प्रस्तावित भूखण्ड सरफेसी अधिनियम के अनुरूप होना आवश्यक है तथा उसका स्थान ऐसा होना चाहिए जो विक्रय योग्य, स्थिर एवं सहज रूप से अंतरणीय हो। यह योजना वैयक्तिक उधारकर्ताओं के लिए उपलब्ध है, इसमें 21 से 60 वर्ष आयु के एनआरआई भी शामिल हैं। यदि आवेदनकर्ता की आयु 55 वर्ष से अधिक है, तो आवेदन के साथ पति/पत्नी या वैध उत्तराधिकारी को सह-आवेदक के रूप में शामिल करना आवश्यक है। ऋण राशि संपत्ति के स्थान के आधार पर भिन्न-भिन्न होगी, जिसमें प्लॉट की स्वीकृत मूल्य पर न्यूनतम 25 प्रतिशत मार्जिन आवश्यक है, जो इस प्रकार है - अर्ध-शहरी क्षेत्रों में न्यूनतम रुपये 10 लाख से लेकर अधिकतम रुपये 100 लाख तक और शहरी/मेट्रो क्षेत्रों में अधिकतम रुपये 300 लाख तक। ऋण चुकौती अवधि अधिकतम 15 वर्षों तक या प्रधान उधारकर्ता के %0 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, विस्तारित की जा सकती है।

आइओबी ईज़ी प्लॉट योजना के शुभारंभ के अवसर पर इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यपालक अधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यह योजना ग्राहकों को आवासीय भूखण्डों की खरीद हेतु एक सुविधाजनक, पारदर्शी एवं संरचित वित्तपोषण विकल्प प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार की गई है, जिसमें भविष्य में भवन निर्माण की सुविधा भी निहित है। यह पहल न केवल वास्तविक आवास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करती है, बल्कि बैंक के खुदरा ऋण पोर्टफोलियो को सुदृढ़ करने एवं एक अप्रयुक्त बाज़ार खंड तक पहुँचने के हमारे प्रयासों को भी बल प्रदान करती है। इस योजना की एक प्रमुख विशेषता यह है कि उधारकर्ताओं को एक नोटरीकृत घोषणा-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा, जिसमें यह पुष्टि करनी होगी कि वे ऋण वितरण की तिथि से पाँच वर्षों के भीतर या संबंधित प्राधिकरण द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर क्रय किए गए भूखण्ड पर आवासीय भवन का निर्माण कर लेंगे। यदि निर्धारित अवधि के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण नहीं होता है, तो लागू ब्याज दर को योजना के अंतर्गत परिभाषित वाणिज्यिक ब्याज दर में परिवर्तित कर दिया जाएगा।

समीक्षा बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुधवार को करूर जिला कलेक्टर कार्यालय में तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की अध्यक्षता में सभी विभागीय कार्यों पर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें करूर विधायक वी. सेंथिलबालाजी, अतिरिक्त मुख्य सचिव, विशेष परियोजना कार्यान्वयन विभाग प्रदीप यादव, आईएबी, संसद सदस्य एस. जोथिमणि, विधायक आई. मणिकम, आर. इलंगो, के. शिवकामसुंदरी, अतिरिक्त सचिव, विशेष परियोजना कार्यान्वयन विभाग डॉ. एस. उमा, आईएबी, जिला कलेक्टर एम. थंगावेल, आईएबी, महापौर के. कविता, पुलिस अधीक्षक के. फिरोज खान अब्दुल्ला, आईएबी और स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति में बैठक में भाग लिया।

वंदे भारत ने जीता जापानियों का दिल, ओसाका एक्सपो में भारतीय रेल की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो-2025 में भारतीय रेल की धूम मची है। भारतीय पवेलियन में न केवल भारतीय प्रवासी बल्कि जापानी नागरिकों की भी भारी भीड़ उमड़ रही है। एक्सपो पहुंचने वाले लोगों में वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज को लेकर जबरदस्त उत्सुकता देखी जा रही है। लोग इनके बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। कई जापानी आगंतुकों को यह जानकर आश्चर्य हो रहा है कि भारत में इतनी तेज रफ्तार और अत्याधुनिक सुविधाओं वाली ट्रेनें अब आम हो गई हैं। वंदे भारत की एयरोडायनॉमिक डिजाइन, इनबिल्ट सुरक्षा फीचर्स और सेमी हाई-स्पीड क्षमताओं ने तकनीक प्रेमियों को आकर्षित किया है।

वहीं, चिनाब ब्रिज - जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग क्षमता का प्रतीक बनकर उभरा है। हिमालय की घाटियों में बना यह ब्रिज न केवल तकनीकी चुनौती को परास्त करता है, बल्कि भारत के उत्तर क्षेत्र में कनेक्टिविटी और सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहद अहम है। जापानी दर्शक, खासकर इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर के छात्र, चिनाब ब्रिज के 3ऊ प्रेजेंटेशन और इंटरैक्टिव मॉडल को ध्यान से देख रहे हैं और इसके निर्माण से जुड़े विवरणों को जानने में गहरी रुचि ले रहे हैं। वंदे भारत ट्रेन और चिनाब ब्रिज आधुनिक भारतीय रेल का चमकता सितारा हैं। बदलते भारत की पहचान हैं। बीते एक दशक में वंदे भारत ने अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ रेल यात्रा को नई पहचान दी है। यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ तेज रफ्तार यात्रा की सुविधा मिल रही है। भारतीय रेल देश के हर कोने में वंदे भारत के संचालन से कनेक्टिविटी का नया अध्याय लिखा है। पूरे देश में करीब 140 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसे वरिष्ठ नागरिकों के साथ युवाओं के बीच अपार लोकप्रियता मिली है। इस ट्रेन में वातानुकूलित कोच, स्वचालित दरवाजे, बायो टॉयलेट्स, जीपीएस सूचना प्रणाली, ऑनबोर्ड कैटरिंग, वाई-फाई, और सीसीटीवी सुरक्षा जैसी सुविधाएं हैं। ये सुविधाएं यात्रियों को एक प्रीमियम और आरामदायक अनुभव प्रदान करती हैं, जो पहले साधारण ट्रेनों में संभव नहीं था। वंदे भारत ट्रेनें वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों और महिलाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी हैं। विश्व एक्सपो 2025, जो कि 13 अप्रैल से 13 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, भारत के लिए वैश्विक मंच पर अपनी उपलब्धियों और नवाचारों को साझा करने का एक सुनहरा अवसर है। जापान में इंडिया पवेलियन की लोकप्रियता न केवल भारत की बढ़ती वैश्विक साख को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि दुनिया भारत की प्रगति को उत्सुकता और सम्मान की नजरों से देख रही है।

निर्देशक रविकांत पेरेपु की फिल्म 'बैडएस' का नया पोस्टर जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। निर्देशक रविकांत पेरेपु की अपकमिंग एक्शन एंटरटेनर फिल्म 'बैडएस' के निर्माताओं ने बुधवार को इसका पहला पोस्टर जारी किया। इस फिल्म में तेलेगु स्टार सिद्धू जोनलगड्डा मुख्य भूमिका में हैं। प्रोडक्शन हाउस सितारा एंटरटेनमेंट्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर फिल्म का पहला पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कैप्शन दिया, आपने हीरो देखें होगे और विलेन भी, लेकिन यह शख्स इन दोनों में फिट नहीं बैठता। स्टारबॉय के लिए रास्ता दीजिए सिद्धू बैडएस के रूप में। इस बार कोई रहम नहीं, वह स्क्रीन पर धमाल पर मचाने आ रहे हैं।

पोस्टर मे अभिनेता सिद्धू जोनालागड्डा एक टेलीविजन न्यूज़ चैनल के कैमरे के पास खड़े होकर सिगरेट जलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह फिल्म साल 2026 में रिलीज होगी। निर्माता नागा वामसी ने अपनी बात रखते हुए कहा, बैडएस एक स्टेटमेंट देने आ रहे हैं। हमारे स्टारबॉय सिद्धू एक नए अवतार में। 2026 में बड़े पर्दे पर धूम मचाने वाले हैं। रविकांत पेरेपु द्वारा निर्देशित फिल्म का निर्माण साई सौजन्या, सितारा एंटरटेनमेंट्स, फॉर्च्यून4 सिनेमा, श्रीकारास्टूडियो ने किया है। निर्माताओं द्वारा फिल्म में अभिनेता का पहला लुक जारी करने से पहले ही फिल्म की टैगलाइन ने प्रशंसकों और दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खीचा। फिल्म की टैगलाइन, अगर बीच वाली उंगली मर्द होती। हालांकि फिल्म की कहानी पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि सिद्धू इस फिल्म में एक अभिनेता की भूमिका निभाते नजर आएंगे और फिल्म की कहानी इंडस्ट्री के लोगों के सामने आने वाली समस्याओं के इर्द-गिर्द घूमेगी। सितारा एंटरटेनमेंट की मनोरंजन से भरपूर फिल्म 'बैडएस' को लेकर सोशल मीडिया पर उत्साह देखने को मिला। सिद्धू जोन्नालागड्डा के लिए, निर्देशक रविकांत पेरेपू की फिल्म 'बैडएस' और निर्देशक नीरज कोना के साथ आने वाली फिल्म 'तेलुसु कदा' की सफलता बहुत मायने रखती है, क्योंकि उनकी पिछली फिल्म 'जैक' सिनेमाघरों में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी।

साउथ एक्ट्रेस अरुणा के घर ईडी का छापा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के नीलांकरई इलाके में बुधवार सुबह एक बड़ी खबर सामने आ रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी अभिनेत्री अरुणा और उनके पति, बिजनेसमैन मनमोहन गुप्ता के घर पर छापेमारी कर रहे हैं। अरुणा तमिल और तेलुगु फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। इनमें निर्देशक भारतीराजा की फिल्म 'कल्लुक्कुल ईरम' भी शामिल है। इस फिल्म में वह लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आई थीं। उनके पति मनमोहन गुप्ता एक कंपनी चलाते हैं, जो बड़े और खास घरों की सजावट का काम करती है। यह कपल नीलांकराई के कपालीश्वर नगर स्थित आलीशान बंगले में रहता है। जानकारी के मुताबिक, ईडी के लगभग दस अधिकारी तीन गाड़ियों में आए और उन्होंने मनमोहन गुप्ता के घर पर छापेमारी शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई एक शिकायत के आधार पर की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि मनमोहन गुप्ता की कंपनी के जरिए गैरकानूनी तरीके से पैसे ट्रांसफर किए गए हैं। अब ईडी इस बात की जांच कर रही है कि कहीं पैसा किसी गलत काम में तो इस्तेमाल तो नहीं हुआ।

जांच के दौरान अधिकारियों को कुछ दस्तावेज भी मिले हैं। ईडी अधिकारियों ने बताया है कि जरूरत पड़ने पर वे मनमोहन गुप्ता के दूसरे घरों और ऑफिस की भी जांच कर सकते हैं। फिलहाल, चेन्नई में उनके इसी घर पर छापेमारी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद साफ हो पाएगा कि क्या मनमोहन गुप्ता के खिलाफ कोई मामला दर्ज किया जाएगा? शिकायत में जो बातें कही गई हैं, उनका कोई आधार है या नहीं? इस मामले ने आसपास के लोगों में काफी हलचल पैदा कर दी है। इस पूरे मामले से जुड़े सभी पहलुओं की अभी जांच की जा रही है, इसलिए आने वाले समय में और जानकारी मिलने की उम्मीद है।

जीएसटी धोखाधड़ी के आरोप में राजस्थान का एक व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में राजस्थान के एक व्यक्ति को फर्जी बिल जारी करने और कर चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। कर्नाटक वाणिज्यिक कर विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि वाणिज्य कर विभाग के दक्षिण क्षेत्र के प्रवर्तन और खुफिया शाखा के अधिकारियों ने बेंगलूरु पूर्व पुलिस की सहायता से राजस्थान के जालौर जिले के निवासी कैलाश विलोय को पहले हिरासत में लिया, फिर बाद में औपचारिक तौर पर गिरफ्तारी दर्ज की गई।

विभाग के अनुसार, विलोय ने फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल करके कई बैंक खाते खोले और अपने नाम पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पंजीकरण नंबर प्राप्त किए। इसने कहा कि पंजीकरण नंबर का इस्तेमाल करोड़ों रुपये के फर्जी बिल जारी करने के लिए किया गया। इन फर्जी बिलों के जरिए कथित तौर पर गुपचुप तरीके से धातु के कबाड़ की ढुलाई और कर्नाटक व अन्य राज्यों के व्यापारियों को अवैध रूप से 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' का दावा करने में मदद मिली, जिससे कर चोरी की गई।

विभाग ने बताया कि विलोय ने जो कुछ किया, उससे प्रतीत होता है कि वह एक बड़े गिरोह का हिस्सा है जिसका उद्देश्य सामान की ढुलाई के बिना ही फर्जी चालान जारी करके 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' व्यवस्था का गलत इस्तेमाल करना है।

बेंगलूरु की विशेष आर्थिक अदालत ने जांच के लिए आरोपी को वारंट पर विभाग को सौंप दिया है। वाणिज्यिक कर विभाग अपनी जांच जारी रखे हुए है और मामले का कई पहलुओं से विश्लेषण कर रहा है।

सिद्दरामय्या ने रक्षा मंत्री से मुलाकात की, रक्षा गलियारे व दशहरा में 'एयर शो' की मंजूरी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर दशहरा उत्सव के दौरान वार्षिक 'एयर शो' के आयोजन और राज्य के लिए एक रक्षा गलियारा परियोजना आवंटित करने का अनुरोध किया।

सिद्दरामय्या ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, मैंने रक्षा मंत्री से मुलाकात कर तीन मुख्य मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने 'एयर शो' के आयोजन पर भी चर्चा की। सितंबर के अंत में मनाए जाने वाले मैसूरु दशहरा के दौरान 'एयर शो' एक प्रमुख आकर्षण रहता है। उन्होंने कहा, हम हर वर्ष दशहरा उत्सव के दौरान एक 'एयर शो' आयोजित करते हैं। हमने केंद्र से इस साल फिर से इसे आयोजित करने का अनुरोध किया है। सिद्दरामय्या ने तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश की तरह कर्नाटक के लिए भी रक्षा गलियारे की मांग की। उन्होंने राज्य में तीन प्रमुख परियोजनाओं - सुरंग परियोजना, बेल्लारी हवाई अड्डे तक संपर्क मार्ग और डबल-डेकर फ्लाईओवर के कार्यान्वयन के लिए रक्षा भूमि की भी मांग की। सिद्दरामय्या ने कहा, उन्होंने 'एयर शो' के लिए सहमति दे दी है जबकि अन्य प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री केजे जार्ज, एमबी पाटिल आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि अगर उन्हें समय दिया जाता है तो उनकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से भी मिलने की योजना है।

शिवकुमार ने की प्रियंका गांधी से मुलाकात

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने नई दिल्ली में बुधवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से उनके आवास पर मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है कि जब ऐसी खबरें हैं कि शिवकुमार सरकार गठन के समय के 'समझौते' के आधार पर खुद को शेष ढाई साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बनाने के लिए दबाव डाल रहे हैं। उप मुख्यमंत्री शिवकुमार ने इस मुलाकात का कोई विवरण नहीं दिया और सिर्फ यह कहा, ''मैं उस जगह (प्रियंका के आवास) गया था।'' मई 2023 में विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। कांग्रेस ने किसी तरह शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनने के लिए राजी कर लिया था।

संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

निविदा आमंत्रण सूचना

युगे युगीन भारत संग्रहालय, नई दिल्ली के लिए
व्यापक संग्रहालय डिजाइन (वास्तुकला और प्रदर्शनी डिजाइन)
सेवाओं के वास्ते डिजाइन सलाहकार के चयन हेतु
प्रस्ताव का अनुरोध 09 जुलाई, 2025 को
भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा जारी किया गया है।
इच्छुक बोलीदाता eprocure.gov.in पर विवरण देख सकते हैं।
बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 01अगस्त,2025 है।
CBC 09101/11/0010/2526

वायुसेना का जगुआर विमान चुरू जिले में दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलट की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय वायुसेना का एक जगुआर प्रशिक्षण विमान बुधवार दोपहर राजस्थान के चुरू जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे दो पायलट की मौत हो गई। वायु सेना ने एक बयान में कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' के आदेश दिये गए हैं। बयान में कहा गया, वायुसेना का एक जगुआर प्रशिक्षण विमान आज राजस्थान के चुरू के पास एक नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

इसमें कहा गया, दुर्घटना में दोनों पायलट की मौत हो गई। किसी भी नागरिक संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। वायुसेना ने हादसे में जनहानि पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। वायुसेना ने कहा हादसे के कारणों की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित की गई है।

इससे पहले दिन में, राजलदेसर के थानाधिकारी कमलेश ने बताया कि विमान दोपहर करीब 1:25 बजे भाणुदा गांव के एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। उन्होंने बताया कि दुर्घटना स्थल के पास मानव शरीर के अंग मिले हैं। दुर्घटना के तुरंत बाद, स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें विमान का जलता हुआ मलबा मिला। रतनगढ़ के वृत्ताधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि राजलदेसर और रतनगढ़ थाने से पुलिसकर्मी, दमकल विभाग और एम्बुलेंस भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। इलाके की घेराबंदी की गईहै। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना पर दुख व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा, चुरू जिले के रतनगढ़ क्षेत्र में भारतीय वायु सेना के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। घटना के तुरंत बाद से प्रशासन अलर्ट मोड पर है और राहत-बचाव कार्य के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने लिखा, ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान व शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति दें। राज्यपाल ने भी हादसे में हुई मौतों को लेकर शोक व्यक्त किया।

बागड़े, भजनलाल एवं देवनानी ने जगुआर लड़ाकू विमान हादसे पर जताई शोक संवेदना

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चूरू जिले के रतनगढ़ क्षेत्र में हुए भारतीय वायुसेना के विमान हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। बागडे ने ईश्वर से हादसे के मृतकों की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। शर्मा ने कहा कि चूरू जिले के रतनगढ़ क्षेत्र में भारतीय वायुसेना के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ।

घटना के तुरंत बाद से प्रशासन अलर्ट मोड पर है और राहत-बचाव कार्य के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। देवनानी ने भी ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को धैर्य एवं संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। गहलोत ने इस हादसे में शहीद हुए पायलट तथा को-पायलट को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को धैर्य तथा संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि बुधवार दोपहर में भारतीय वायुसेना का एक जगुआर ट्रेनर विमान चुरू जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इस हादसे में दोनों पायलट की मौत हो गई।

कई शहरों में 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने देश के कई शहरों में 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करके इसके सरगना को कर्नाटक के बेंगलुरु शहर से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार इस गिरोह ने हरियाणा के चंडीगढ़ व सोनीपत, दिल्ली के रोहिणी, बिहार के पटना और कर्नाटक के बेंगलुरु सहित कई शहरों में 'डिजिटल अरेस्ट' वारदातों को अंजाम दिया है, जहां इनसे संबंधित अन्य प्रकरण या शिकायतें दर्ज हैं।

पुलिस अधीक्षक (एसपी-साइबर अपराध) शांतनु कुमार ने मंगलवार को बताया कि जयपुर में 75 वर्षीय बुजुर्ग को 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर 23.56 लाख रुपये ठगने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने मुख्य खाताधारक और तीन अन्य सहयोगियों को गिरफ्तार किया था। अब पुलिस ने इस गैंग के मुख्य सरगना को भी कर्नाटक के बेंगलुरु शहर से दबोच लिया है। इस गिरोह का जाल देश के कई बड़े शहरों तक फैला था। उन्होंने बताया कि इस मामले में गिरफ्तार चार आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि गिरोह का सरगना सनी कुमार है। विभिन्न जानकारियों की कड़ी जोड़ते हुए पुलिस ने बेंगलुरु से सनी कुमार शर्मा (26) को पकड़ा। वह हवेली खरगपुर मुंगेर बिहार का रहने वाला है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस गिरोह ने चंडीगढ़, सोनीपत, दिल्ली, पटना और बेंगलुरु सहित कई शहरों में इसी तरह की 'डिजिटल अरेस्ट' वारदातों को अंजाम दिया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस अभिरक्षा में चल रहे आरोपी से पूछताछ की जा रही है ताकि इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके।

झुंझुनू जिले में नवनिर्मित हाईवे का एक हिस्सा भारी बारिश के कारण बहा

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनू जिले में नवनिर्मित राज्य राजमार्ग का एक हिस्सा भारी बारिश के बाद उफनती कटली नदी की चपेट में आकर बह गया। इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा संबंधी लापरवाही पर सवाल उठने लगे हैं। झुंझुनू पुलिस नियंत्रण कक्ष के अनुसार बाघुली और जहाज गांवों को राष्ट्रीय राजमार्ग 52 से जोड़ने वाला यह हिस्सा छह महीने पहले ही बनकर तैयार हुआ था और लोगों को इसके औपचारिक उद्घाटन का इंतजार था। हाल ही में रविवार को हुई मूसलाधार बारिश से कटली नदी का जलस्तर नाटकीय रूप से बढ़ गया और वह इस सड़क के एक बड़े हिस्से को बहा ले गया।

मौसम विभाग के अनुसार, इस इलाके में एक ही दिन में 86 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस हाइवे के हिस्से के बहने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसमें स्थानीय लोग यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि नदी का बहाव इतना तेज था कि एक बिजली का खंभा भी उखड़ गया, जो पानी में गिर गया। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया और जवाबदेही तय करने की मांग की। कुछ ग्रामीणों के अनुसार कटली नदी में अतिक्रमण और अवैध बजरी खनन लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। राज्य प्रशासन ने हाल ही में इन समस्याओं के समाधान के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया है।

राज्यवर्धन राठौड़ का खेतों में संवादः अन्न गांव की ताकत है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक और राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज ग्राम पंचायत जौधवाड़ा का दौरा किया, जहां उन्होंने बाजरा की फसल का जायज़ा लेने के साथ खेतों में खड़े होकर किसानों से सीधी बातचीत की। उनका यह दौरा केवल निरीक्षण भर नहीं था, बल्कि एक सक्रिय जनप्रतिनिधि द्वारा ज़मीन से जुड़ी राजनीति का उदाहरण था, जिसमें किसानों की समस्याएं सुनी गईं और समाधान के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

कर्नल राठौड़ ने खेत में खड़े होकर सिंचाई, बीज वितरण, समर्थन मूल्य और विपणन से जुड़ी समस्याएं सुनीं। किसानों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि बाजरा अब केवल एक 'मोटा अनाज' नहीं, बल्कि 'अन्न' बन चुका है, जो भारत की पोषण सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार बनने जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाजरे को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाए जाने का ज़िक्र करते हुए कहा कि अब ज़िम्मेदारी हमारी है कि इसे गांव-गांव तक पहुंचाएं।

उन्होंने यह भी कहा कि झोटवाड़ा के किसान सिर्फ परंपरागत खेती तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे नवाचार और तकनीक को भी अपना रहे हैं।

ऐसे किसानों को सरकार की हर योजनाओं से जोड़ना उनकी प्राथमिकता है। राठौड़ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सिंचाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, उन्नत बीजों का समय पर वितरण सुनिश्चित हो और 'अन्न योजना' तथा 'मिलेट मिशन' के तहत किसानों को प्रशिक्षण दिया जाए। साथ ही यह भी कहा कि स्थानीय किसानों को मंडियों और बड़े बाज़ारों तक बेहतर पहुंच मिले, इसके लिए विशेष प्रयास किए जाएं। कर्नल राठौड़ ने अपने संबोधन में कहा कि झोटवाड़ा के खेतों की हरियाली ही हमारे भविष्य की नींव है। अगर किसान मज़बूत होंगे, तो राष्ट्र भी आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह सिर्फ कृषि नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का अभियान है।

दौरे के दौरान बड़ी संख्या में किसान, ग्रामीण और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। किसानों ने इस मौके पर अपनी समस्याएं खुलकर रखीं और मंत्री के समाधानात्मक दृष्टिकोण की सराहना की। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि यह दौरा दिखाता है कि जनसेवा केवल मंचों से भाषण देने तक सीमित नहीं है, बल्कि जब एक मंत्री खेत में उतरता है और किसान के साथ खड़ा होता है, तभी असली राजनीति और सेवा का अर्थ सामने आता है। कुल मिलाकर, कर्नल राठौड़ का यह दौरा सिर्फ एक सरकारी औपचारिकता नहीं, बल्कि अन्न के माध्यम से भारत के ग्रामीण जीवन को सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस और ज़मीन से जुड़ा कदम था। यह स्पष्ट संकेत है कि झोटवाड़ा जैसे क्षेत्र न केवल खाद्यान्न उत्पादन में, बल्कि कृषि नवाचार और राष्ट्रीय नीतियों के क्रियान्वयन में भी अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं।

रोडवेज बस, डंफर की टक्कर में चार की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हनुमानगढ़।राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के संगरिया थाना क्षेत्र में मेगा हाईवे पर नगराना गांव के निकट बुधवार को रोडवेज बस और बजरी से भरे डंफर की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई और अन्य 17 घायल हो गए। थाना प्रभारी अमरसिंह ने बताया कि सुबह करीब पूर्वाह्न साढ़े आठ बजे नगराना गांव के नजदीक मेगा हाईवे पर हनुमानगढ़ जंक्शन से चंडीगढ़ जा रही राजस्थान रोडवेज की बस एक वाहन से आगे निकलने के प्रयास में सड़क किनारे खड़े डंफर से टकरा गयी।

बस और डंपर की टक्कर में बस में सवार 20 से अधिक लोग घायल हो गये। उन्होंने बताया कि पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से निकालकर हनुमानगढ़ टाऊन के सिविल अस्पताल पहुंचाया।

जहां राजवीर (52), पृथ्वीराज (52), बस परिचालक रवींद्र (50) और विनोद तंवर (65) की मौत हो गयी और अन्य पांच घायलों को भर्ती किया गया जबकि कुछ घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी और कुछ को उनके परिजन निजी अस्पतालों में ले गये। बस में करीब 25 यात्री सवार थे। पुलिस ने बताया चारों शव को पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजनों को सुपुर्द दिया गया।

एक मृतक के परिजन द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर डंफर चालक पर वाहन को लापरवाही से सड़क पर खड़ा करने के आरोप में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने राजमार्ग पर यातायात को सुचारू करने के लिए क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवा दिया है।

फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/उदयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म उदयपुर फाइल्स: कन्हैया लाल टेलर मर्डर की रिलीज पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। यह फिल्म जून 2022 में उदयपुर में टेलर कन्हैया लाल की हत्या की घटना पर आधारित है। जस्टिस सुधांशु धुलिया और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कन्हैया लाल की हत्या के एक आरोपी मोहम्मद जावेद के वकील को पहले याचिका में मौजूद गलतियों को सुधारने का निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि अभी कन्हैया लाल मर्डर केस की सुनवाई चल रही है और सुनवाई के बीच फिल्म के रिलीज होने से आरोपी का निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार प्रभावित हो सकता है। फिल्म उदयपुर फाइल्स 11 जुलाई को रिलीज होनी है। पीठ ने फिल्म की रिलीज से पहले याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता के वकील से कहा

कि वे पहले नियमित पीठ के समक्ष अपील करें।

यह याचिका मोहम्मद जावेद ने दायर की थी, जो कन्हैया लाल की हत्या के मामले में आरोपी है। याचिका में मामले की सुनवाई पूरी होने तक फिल्म की रिलीज पर रोक की मांग की गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि फिल्म अपने ट्रेलर और प्रचार सामग्री से सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ प्रतीत होती है, और इस समय फिल्म को रिलीज़ करने से चल रही कार्यवाही पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान के उदयपुर में रहने वाले दर्जी कन्हैया लाल की जून 2022 में कथित तौर पर मोहम्मद रियाज और मोहम्मद गौस ने घृणा अपराध के चलते नृशंस हत्या कर दी थी। हमलावरों ने एक वीडियो जारी किया था जिसमें दावा किया गया था कि यह हत्या पूर्व भाजपा नेता नूपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद पर की गई विवादास्पद टिप्पणियों के बाद उनके समर्थन में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करने के कारण की गई थी।

इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने की और आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धाराओं के अलावा, कठोर गैरकानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया था। यह मुकदमा जयपुर स्थित विशेष एनआईए अदालत में लंबित है।

रिश्वत लेते अधिशाषी अभियंता गिरफ्तार

भरतपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने भरतपुर में राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम के जिला भरतपुर कार्यालय के अधिशाषी अभियंता (सिविल) को मंगलवार को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि परिवादी ने एसीबी की भरतपुर चौकी में शिकायत की कि उसके द्वारा किये गये कार्यों के बिल मंजूर करने की एवज में राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम के जिला भरतपुर कार्यालय का अधिशाषी अभियंता अवनीश सोनी 15 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है।

उन्होंने बताया कि सत्यापन के दौरान सोनी ने राशि बढ़ाकर 36 हजार रुपये कर दी। बाद में वह 30 हजार रुपये लेने पर सहमत हो गया। श्रीमती श्रीवास्तव ने बताया कि ब्यूरो के भरतपुर चौकी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित सिंह के नेतृत्व में गठित ब्यूरो के दल ने जाल बिछाकर सोनी को परिवादी से 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

दीया कुमारी ने अश्विनी वैष्णव के पिता के निधन पर व्यक्त की शोक संवेदना

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी बुधवार को जोधपुर पहुंचीं और केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के पिता स्वर्गीय दाऊलाल वैष्णव के निधन पर अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। दीया कुमारी ने स्व. दाऊलाल वैष्णव के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर दुख की इस घड़ी में धैर्य और संबल बनाए रखने की प्रार्थना की। साथ ही दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

सामंजस्यपूर्ण जीवन की नींव अध्यात्म की सुदृढ भारतीय परम्परा : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के सत्य साईं ट्रस्ट जिले में स्थित 'प्रशांति निलयम' में 'सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए मानव मूल्य' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने सत्य साईं केन्द्रीय ट्रस्ट की संगोष्ठी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सामंजस्यपूर्ण जीवन की नींव अध्यात्म की सुदृढ भारतीय परम्परा पर खड़ी है। भारतीय परम्परा में अपने लिए नहीं दूसरों के लिए जीवन जीने को महान कहा गया है।

उन्होंने सत्य साईं का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अध्यात्म के उन मूल्यों को जिया जिसमें दीन दुखियों के लिए सोच रखकर कार्य करने को ही ईश्वर की सर्वोत्तम सेवा माना गया है। राज्यपाल ने कहा कि जब हम निस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा करते हैं, तभी हम ईश्वर के करीब आते हैं। उन्होंने अध्यात्म की भारतीय परम्परा पर चर्चा करते हुए कहा कि अध्यात्म धर्म नहीं है। अध्यात्म का अर्थ है अपने आपको जानना।

उन्होंने कहा कि अध्यात्म मानवीय मूल्यों से और सेवा कार्य से जोड़ने की हमें सीख देता है। उन्होंने नर सेवा को ही नारायण सेवा बताते हुए कहा कि सनातन संस्कृति जीवन के उदात्त मूल्यों पर जोर देती है। इसमें आपदा के समय मनुष्यता को बचाने और प्राणियों के कल्याण को ही सर्वोच्च प्राथमिकता दी गयी है।

योगी आदित्यनाथ ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत अयोध्या में पौधारोपण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बुधवार को यहां सरयू नदी के किनारे त्रिवेणी वाटिका में बरगद, नीम और पीपल के पौधे लगाकर इसे भगवान श्रीराम, धरती माता और जन्मदायिनी माता को समर्पित किया। अयोध्या में आयोजित एक जनसभा में उन्होंने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ इस अभियान की महत्ता पर जोर दिया।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश की अभूतपूर्व प्रगति पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''इस दौरान 204 करोड़ पौधे लगाए गए जिनमें से 75 प्रतिशत पौधे जीवित हैं। इसके परिणामस्वरूप राज्य में पांच लाख एकड़ क्षेत्र में वन आच्छादन बढ़ा है।'' एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने हीटवेव (गर्म हवा) को ग्रीनवेव (शीतल हवा) में बदला है। यह प्रयास न केवल पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहायक है, बल्कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।''

उन्होंने वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु का उल्लेख करते हुए कहा, ''पेड़ों में भी जीवन है और ये छाया, फल, मृदा संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।''

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मुख्यमंत्री ने धरती माता और जन्मदायिनी मां के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक बताया। उन्होंने वैदिक उद्घोष 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' का उल्लेख करते हुए कहा, ''एक सच्चा पुत्र वही है जो अपनी मां की सेवा और रक्षा करता है। यह अभियान वर्तमान को संवारने और भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। पेड़ हमें प्रदूषण, सांस की बीमारियों और कार्बन उत्सर्जन के दुष्प्रभावों से बचाएंगे।'' मुख्यमंत्री ने जलवायु परिवर्तन को वैश्विक चुनौती बताते हुए कहा कि अतिवृष्टि, अनावृष्टि और बादल फटने जैसी घटनाएं अनियोजित विकास का परिणाम हैं। उन्होंने अमेरिका के टेक्सास में हाल में हुई एक घटना का जिक्र किया जहां अचानक आई बाढ़ में सैकड़ों बच्चे लापता हो गए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नियोजित और वैज्ञानिक प्रयासों से विकास और पर्यावरण संरक्षण में संतुलन स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''आठ साल पहले शुरू हुए इस अभियान में शुरुआत में केवल पांच करोड़ पौधे उपलब्ध थे लेकिन वन विभाग, मनरेगा और निजी क्षेत्र के सहयोग से आज 52 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि पौधारोपण अभियान ने न केवल पर्यावरण को लाभ पहुंचाया, बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत किया है।

गुरु गोरखनाथ की मूर्ति क्षतिग्रस्त करने के आरोप में तांत्रिक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। मुजफ्फर नगर जिले के चरथावल क्षेत्र एक मंदिर में गुरु गोरखनाथ की मूर्ति को कथित तौर पर क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने बुधवार को एक तांत्रिक को गिरफ्तार किया।

पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) देवव्रत बाजपेयी ने संवाददाताओं को बताया कि बुधवार सुबह घीसुखेड़ा गांव में स्थित एक मंदिर में हुई इस घटना के लिए पुलिस ने बुधवार को एक तांत्रिक को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था, हालांकि सीसीटीवी फुटेज की जांच में ओमपाल उपाध्याय नामक व्यक्ति मूर्ति को क्षतिग्रस्त करते हुए दिखाई दिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बाजपेयी ने बताया कि पूछताछ के दौरान उपाध्याय ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। इससे पहले, इस घटना से नाराज स्थानीय लोगों और हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने मंदिर के बाहर विरोध प्रदर्शन और धरना किया। वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत किया।

ईडी ने उप्र में धर्मांतरण गिरोह के संबंध में धन शोधन का मामला दर्ज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में हाल ही में भंडाफोड़ किये गए धर्मांतरण गिरोह के संबंध में धन शोधन का मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एजेंसी ने आरोपियों द्वारा संभावित रूप से ''अपराध से आय'' सृजित किये जाने की जांच के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत विभिन्न धाराएं लगाई हैं।

केंद्रीय एजेंसी की जांच उत्तर प्रदेश आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा लखनऊ के गोमतीनगर स्थित एक पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता और उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्मांतरण प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई एक प्राथमिकी पर आधारित है। पुलिस ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने हिंदू और अन्य गैर-मुस्लिम समुदायों के लोगों को इस्लाम में धर्मांतरित करने के लिए संगठित तरीके से काम किया। कथित सरगना जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा सहित चार लोगों को एटीएस ने जांच के तहत गिरफ्तार किया है। तीन अन्य आरोपी नवीन उर्फ जमालुद्दीन और महबूब (जलालुद्दीन का बेटा) और नीतू उर्फ नसरीन हैं। वे फिलहाल जेल में बंद हैं। पुलिस ने बयान में कहा था कि ''गरीब, असहाय मजदूरों, कमजोर वर्गों और विधवा महिलाओं को प्रलोभन, वित्तीय सहायता, शादी के वादे या धमकी के माध्यम से बहकाया गया...।'' सूत्रों ने बताया कि ईडी इस मामले में अर्जित अवैध धन और पीएमएलए के तहत अपराध से अर्जित आय की संभावित मात्रा का आकलन करने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस, सपा और बसपा का 2047 तक हो जाएगा सफाया : मौर्य

मेरठ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को दावा किया कि वर्ष 2047 तक कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का भारतीय राजनीति से पूरी तरह सफाया हो जाएगा। मौर्य ने मेरठ में 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के तहत पौधरोपण करने के बाद अपने संबोधन में विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए मौर्य ने कहा, ''सपा का इतिहास भगवान राम के भक्तों पर गोली चलाने और कांवड़ियों पर बल प्रयोग करने से जुड़ा है। इसके विपरीत वर्तमान भाजपा नीत सरकार उन पर पुष्प वर्षा कर रही है। यही अंतर सपा के राजनीतिक भविष्य को आकार देगा।''

मौर्य ने दावा किया, ''भाजपा 2027 के विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी जबकि जनता ने भी मन बना लिया है कि 2047 तक सपा जैसी पार्टियों का पूरी तरह सफाया हो जाएगा।'' धर्मांतरण पर टिप्पणी करते हुए मौर्य ने कहा कि सरकार धर्म के नाम पर लोगों को 'धोखा' देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने आगे कहा, ''अगर कोई दूसरों को धोखा देने के लिए अपनी पहचान छिपाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'' केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के नेता जयंत चौधरी के हालिया बयान पर मौर्य ने कहा कि चौधरी ने सही बात कही है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ बंद रख न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कर रहा कोशिश विपक्ष : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का पुरजोर समर्थन करते हुए बुधवार को इस प्रक्रिया के खिलाफ राज्य में बंद आहूत करने के लिए विपक्षी दलों पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या वे चाहते हैं कि रोहिंग्या समेत अवैध घुसपैठिए चुनाव में मतदान करें।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बंद के पीछे की मंशा पर सवाल उठाया और विपक्षी दलों से पूछा कि क्या वे इस तरह की रणनीति के जरिए न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''इन सभी नेताओं ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है, जो उनका अधिकार है। लेकिन जब कल सुनवाई होने वाली है, तो वे दबाव बनाने के लिए आज सड़क पर राजनीति क्यों कर रहे हैं?'' प्रसाद ने सवाल किया कि जब उच्चतम न्यायालय में सुनवाई होनी है तो आज सड़कों पर उतरने का क्या उद्देश्य है। उन्होंने कहा, ''क्या यह न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश है?'' उन्होंने कहा, ''इन लोगों को या तो न्यायपालिका पर भरोसा करना चाहिए या सड़कों पर उतरने के विकल्प पर ही बने रहना चाहिए।'' प्रसाद ने कहा कि केवल वे ही लोग चुनाव में मतदान कर सकते हैं जो भारतीय नागरिक हैं, 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के हैं, तथा सामान्यतः उस क्षेत्र के निवासी हैं जहां वे मतदान के लिए पंजीकृत हैं। उन्होंने सवाल किया, ''ऐसे में अगर मतदाता सूची में संशोधन किया जा रहा है तो क्या परेशानी है?'' भाजपा नेता ने कहा, ''क्या वे (विपक्षी नेता) चाहते हैं कि मतदाता सूची में उन लोगों के नाम भी रहें जो वहां नहीं हैं, जैसे घुसपैठियों के? क्या यह सच नहीं है कि कभी-कभी रोहिंग्या या ऐसे ही अन्य लोग अवैध रूप से अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा लेते हैं? अगर काम पूरी ईमानदारी से हो रहा है, तो इसमें आपत्ति क्या है?''

प्रसाद ने कहा कि संदेश स्पष्ट है कि विपक्षी नेता इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर उन लोगों को लाभ पहुंचाना चाहते हैं, जिनका नाम अवैध रूप से मतदाता सूची में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा, ''वास्तविकता यह है कि वे बिहार चुनाव नहीं जीतेंगे, जैसे वे हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में हार गए थे। इसकी जानकारी उन्हें भी है।''

भाजपा की ओर से यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव और अन्य विपक्षी नेता बुधवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ बिहार में राज्यव्यापी बंद में शामिल हुए।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण के समय और मंशा पर सवाल उठाते हुए विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग ने यह प्रक्रिया राज्य में विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले शुरू की है, ताकि ''काफी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किया जा सके'' और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को लाभ पहुंचाया जा सके।

नीति आयोग के मानचित्र में बिहार बना प. बंगाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को नीति आयोग के उपाध्यक्ष को पत्र लिखकर एक आधिकारिक रिपोर्ट में अपने राज्य को बिहार के रूप में दर्शाये जाने पर कड़ी आपत्ति जताई। मुख्यमंत्री ने इस त्रुटि की निंदा की और उनसे माफी की मांग करते हुए इस संबंध में तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने को कहा।

बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में पत्र की एक प्रति और भारत के मानचित्र का स्क्रीनशॉट साझा किया। यह मानचित्र रिपोर्ट के पहले पृष्ठ पर है, जिसमें बिहार को पश्चिम बंगाल के रूप में दर्शाया गया है। बनर्जी ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन के. बेरी को लिखा, ''मैं अत्यधिक चिंता और स्पष्ट अस्वीकृति के साथ लिख रही हूं कि नीति आयोग द्वारा प्रकाशित और इसकी वेबसाइट पर उपलब्ध 'पश्चिम बंगाल राज्य के लिए सारांश रिपोर्ट' में इस राज्य को मानचित्र में बिहार के क्षेत्र को दर्शाया गया है।'' इस त्रुटि को नीति आयोग की ''गंभीर चूक'' बताते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि नीति आयोग के आधिकारिक प्रकाशन में इस तरह की बड़ी गलती राज्यों के प्रति ''सम्मान की कमी'' को दर्शाती है। उन्होंने कहा, ''इससे संस्था के काम की विश्वसनीयता के बारे में वाजिब चिंताएं पैदा हुईं, जिस पर नीति निर्माता और नागरिक सटीक जानकारी प्राप्त करने के लिए निर्भर हैं तथा नीति आयोग की रिपोर्टों और प्रकाशनों की गुणवत्ता, प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह पैदा होता है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''पश्चिम बंगाल सरकार इस त्रुटि की कड़ी निंदा करती है और नीति आयोग से स्पष्टीकरण जारी करने तथा क्षमा मांगने, दस्तावेज में सुधार के लिए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने तथा भविष्य में ऐसी चूक को रोकने के लिए मजबूत तंत्र स्थापित करने की मांग करती है।'' इससे पहले दिन में, तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य साकेत गोखले ने इस बारे में सवाल उठाया कि कैसे नीति आयोग की रिपोर्ट के पहले पन्ने पर बिहार को पश्चिम बंगाल के रूप में दर्शाया गया है।

महाराष्ट्र चुनाव में धांधली हुई, हम बिहार में ऐसा नहीं होने देंगे: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लाभ पहुंचाने के लिए ''धांधली'' की गई और केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार इस साल के अंत में होने वाले बिहार चुनावों में भी ऐसा करना चाहती है।

गांधी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ पटना में निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक विरोध मार्च के दौरान 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा और राजग को लाभ पहुंचाने के लिए धांधली की गई थी। वे बिहार में भी इसे दोहराना चाहते हैं जो हम होने नहीं देंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण, मतदाता सूची में हेराफेरी करने के 'महाराष्ट्र मॉडल' का विस्तार है और इससे ''न केवल लोगों के वोट देने के अधिकार को बल्कि उनके पूरे भविष्य को हथिया लिया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''निर्वाचन आयोग को संविधान की रक्षा करनी चाहिए... वह भाजपा के निर्देशों पर काम कर रहा है। इन निर्वाचन आयुक्तों को भाजपा ने ही नामित किया है। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण चुनावी चोरी का एक प्रयास है। हम निर्वाचन आयोग को मतदाताओं, खासकर युवाओं के (मतदान के) अधिकार छीनने नहीं देंगे।'' लोकसभा में विपक्ष के नेता सुबह राज्य की राजधानी पहुंचे। उनके साथ राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा और अन्य विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेता भी थे। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग में ''भाजपा द्वारा नामित'' लोग शामिल हैं और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य सत्तारूढ़ पार्टी की ''सेवा'' करना है।

गांधी राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए यहां आए। यह प्रदर्शन चार नई श्रम संहिताओं के खिलाफ श्रमिक संगठनों द्वारा आहूत राष्ट्रव्यापी 'चक्का जाम' का हिस्सा है। देशव्यापी हड़ताल के तहत बिहार में किए जा रहे विरोध प्रदर्शन में मतदाता सूची पुनरीक्षण का मुद्दा भी जोड़ा गया है।

अपनी शैली में संविधान की लाल प्रति लिए राहुल गांधी ने कहा, ''निर्वाचन आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की भाषा बोल रहा है। पहले निर्वाचन आयोग के सदस्यों के चयन में भारत के प्रधान न्यायाधीश और विपक्ष के नेता शामिल होते थे लेकिन अब हमें इस प्रक्रिया से बाहर रखा गया है और भाजपा द्वारा नामित निर्वाचन आयुक्तों के नामों वाला एक कागज थमा दिया गया।''

झारखंड के सभी सरकारी अस्पतालों में होगी मुफ्त वाईफाई सुविधा

रांची/भाषा। झारखंड सरकार ने सभी सरकारी अस्पतालों को मुफ्त वाई-फाई सुविधा से लैस करने का फैसला किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह सुविधा एक महीने में सभी जिला अस्पतालों में उपलब्ध हो जाएगी जबकि अगले छह महीने में सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में लोग वाईफाई की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अजय कुमार ने एक बयान में बताया, यह पहल डिजिटल स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे लोग अस्पताल परिसर में बैठे-बैठे ही स्वास्थ्य पोर्टल, महत्वपूर्ण वेबसाइटों और सरकारी योजनाओं से जुड़ सकेंगे।

उन्होंने बताया कि यह सेवा अस्पतालों में प्रतीक्षा करते समय मरीजों को उपयोगी जानकारी प्राप्त करने में मदद करने के लिए शुरू की जा रही है।

त्रिपुरा में बाढ़ से 100 से अधिक परिवार बेघर हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। दक्षिण त्रिपुरा जिले में आई बाढ़ के कारण 100 से अधिक परिवार बेघर हो गए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। जिले के सभी स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बुधवार को एहतियातन बंद हैं।

जिला प्रशासन ने मंगलवार को लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ के मद्देनजर निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने को कहा है। मुहुरी नदी का जलस्तर खतरे के निशान (15.70 मीटर) से ऊपर है जिससे तटबंध के दोनों ओर बाढ़ आ गई है। दक्षिण त्रिपुरा के जिलाधिकारी (डीएम) मुहम्मद सज्जाद ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''सोमवार रात से लगातार हो रही बारिश के कारण बेलोनिया और संतिरबाजार उप-मंडलों के कई निचले इलाके बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। इसके कारण 118 परिवारों के 289 लोगों ने 10 राहत शिविरों में शरण ली है।'' उन्होंने बताया कि मुहुरी में जलस्तर 15.70 मीटर पर पहुंच गया है जो खतरे के निशान से थोड़ा ऊपर है लेकिन पिछले कुछ घंटों में बारिश की तीव्रता में उल्लेखनीय कमी आई है। सज्जाद ने कहा कि निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को जरूरत पड़ने पर सुरक्षित निकासी के लिए सतर्क रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा, ''आपदा प्रबंधन दल और नगर निकाय अधिकारी मदद के लिए तैयार हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।'' सज्जाद ने कहा कि अचानक आई बाढ़ के मद्देनजर बुधवार को सभी स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रहेंगे।

देश में नदी जल मापक 17 केंद्रों में पानी चेतावनी के स्तर से ऊपर : केंद्रीय जल आयोग

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अनुसार, देश भर में 17 'रिवर गेज स्टेशन' में वर्तमान में पानी चेतावनी के स्तर से ऊपर है और इनमें से चार में बाढ़ की गंभीर स्थिति है जहां जल स्तर खतरे के निशान पर या उससे ऊपर है। रिवर गेज स्टेशन, ऐसे स्थान हैं जहां नदी, नहर, झील या जलाशय में जल स्तर और प्रवाह दर को व्यवस्थित तरीके से मापा जाता है। असम में धनसिरी नदी और महाराष्ट्र में वेनगंगा नदी पर स्थित जल स्तर मापक केंद्रों सहित चार स्थानों पर बाढ़ की गंभीर स्थिति है, जो बाढ़ के गंभीर खतरे का संकेत देते हैं। तेरह अतिरिक्त स्टेशनों पर ''बाढ़ की स्थिति सामान्य से अधिक'' देखी जा रही है, जहां जल स्तर चेतावनी के स्तर को पार कर गया है, लेकिन खतरे की सीमा से नीचे बना हुआ है।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर विराट कोहली ने कहा,

जब आप हर चार दिन में दाढ़ी रंगते हैं तो समय आ गया है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। भारतीय स्टार विराट कोहली ने लंदन में युवराज सिंह के 'फंडरेजर' कार्यक्रम में अपने टेस्ट करियर के संन्यास के बारे में बात करते हुए खूब हंसी मजाक किया और कहा कि 'जब आप हर चार दिन में दाढ़ी रंगते हैं तो मतलब है कि समय आ गया है'।

कोहली अब लंदन में रहते हैं। वह हाल में विम्बलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम में दिखाई दिए जिसमें वह भूरे रंग के सूट में काफी स्टाइलिश लग रहे थे। इसके बाद वह तुरंत 'यूवीकैन' कैंसर फंडरेजर (धनराशि जुटाना) कार्यक्रम में पहुंच गए। भारतीय टीम भी इस कार्यक्रम में मौजूद थी और कार्यक्रम के प्रस्तुतकर्ता ने कोहली के टीम का हिस्सा नहीं होने का जिक्र क्योंकि उन्होंने इंग्लैंड दौरे से पहले संन्यास की घोषणा कर दी थी। प्रस्तुतकर्ता गौरव कपूर ने कहा, ''मैदान पर हमें आपकी कमी खलती है।''

रवि शास्त्री, क्रिस गेल, केविन पीटरसन और युवराज तब कोहली के बगल में खड़े थे और इस भारतीय सुपरस्टार ने कुछ देर रुककर जवाब दिया, ''मैंने अभी दो दिन पहले ही अपनी दाढ़ी रंगी है। आपको पता है कि जब आप हर चार दिन में अपनी दाढ़ी रंगते हैं तो यह आराम करने का समय होता है।''

कोहली इस 'फंडरेजर' कार्यक्रम के बीच में आए लेकिन स्पष्ट रूप से 'शोस्टॉपर' रहे। उन्होंने शास्त्री के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बात की जो उस समय मुख्य कोच थे जब कोहली टेस्ट टीम को नई ऊंचाइयों पर ले गए थे। कोहली ने कहा, ''सच कहूं तो अगर मैं तब उनके साथ नहीं होता तो टेस्ट क्रिकेट में जो हुआ वो मुमकिन नहीं हो पाता। हमारे बीच जो स्पष्टता थी वो ढूंढ पाना बहुत मुश्किल है। क्रिकेटरों के करियर में आगे बढ़ने के लिए यही सब कुछ होता है।''

कोहली ने कहा, ''उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में जिस तरह सवालों का डटकर सामना किया, वह अहम था। वर्ना चीजें अलग हो सकती थीं। मेरे मन में हमेशा उनके लिए सम्मान और आदर है क्योंकि वह मेरी क्रिकेट यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे।'' शास्त्री ने भी कोहली की तारीफ का जवाब देते हुए कहा कि वह पिछले 15 साल के सबसे प्रभावशाली क्रिकेटर हैं।

शास्त्री ने कहा, ''आप विश्व कप और दूसरे खिताब जीतते हैं लेकिन वह लाल गेंद के क्रिकेट को अगले स्तर पर ले जाना चाहते थे। एक बार जब उन्होंने सफलता का मंत्र तय कर लिया तो बाकियों को भी उनका अनुसरण करना पड़ा।''

उन्होंने कहा, ''अगर भारत आज टेस्ट क्रिकेट में इस स्तर पर खेल रहा है, विशेषकर उनके नेतृत्व में जो युवा पीढ़ी खेली है, उन्हें उनका शुक्रिया अदा करना चाहिए। यहां तक कि विश्व क्रिकेट को भी उनका शुक्रिया अदा करना चाहिए। भारत के टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने से पैसा आया और बीसीसीआई को उसका हिस्सा मिला।

विश्व कप का सपना बरकरार, यही हमारा लक्ष्य है : स्वीटी देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सीनियर खिलाड़ी नगांगबाम स्वीटी देवी ने कहा कि महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य हासिल करने के बाद भारतीय महिला फुटबॉल टीम का अगला लक्ष्य अब निकट भविष्य में फीफा विश्व कप में जगह बनाना है। भारत ने पिछले शनिवार को एशियाई कप 2026 क्वालीफायर ग्रुप बी के चौथे और अंतिम मैच में मेजबान थाईलैंड को 2-1 से हराकर अगले साल होने वाले मुख्य टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। संगीता बासफोर के दो गोल की बदौलत भारत ने यादगार जीत दर्ज की जिससे टीम 22 साल बाद टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही।

'सेंटर-बैक' स्वीटी देवी ने इस यादगार मुकाबले में टीम की कप्तानी भी की थी। उन्होंने कहा, ''सच कहूं तो इसे बयां करना अभी भी मुश्किल है।'' उन्होंने कहा, ''इस मुकाबले में काफी मिली-जुली भावनाएं थीं। यह हमें सच भी नहीं लग रहा था। हम एक-दूसरे को दिलासा देते रहे, 'हां, यह हो गया है, हमने सचमुच कर दिखाया है।'' उन्होंने कहा, ''वो अहसास, उसे बयां नहीं किया जा सकता। जो कोई भी महिला फुटबॉल का समर्थन करता है या उसका हिस्सा है, वह समझ सकता है कि क्वालीफाई करने का अहसास कैसा होता है।'' महिला एशियाई कप से फीफा महिला विश्व कप का रास्ता भी खुलता है। इस मैच के बाद भावनाओं और आंसुओं के उफान के बाद कोच क्रिस्पिन छेत्री ने सभी से गले मिलने के बाद उन्हें इकट्ठा किया और उन्हें अगले लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा। छेत्री ने कहा, ''पहाड़ की चोटी दूसरे पहाड़ की तलहटी होती है। हमें एक टीम के रूप में सीखते और आगे बढ़ते रहना चाहिए। हम एशियाई कप में पहुंच गए हैं। हमारा अगला लक्ष्य विश्व कप है। हमें सपने देखते रहना होगा।''

सुविचार

राधा का नाम कृष्ण की जुबां पर सजे, प्रेम के हर मोड़ पर वही गीत बजे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विलय की राह पर क्यों ये स्कूल ?

उत्तर प्रदेश में कम नामांकन वाले सरकारी स्कूलों के विलय संबंधी फैसले के खिलाफ कई शिक्षकों और संगठनों के विरोध प्रदर्शन से ऐसे सवाल पैदा होते हैं, जिनकी ओर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। सरकार लगभग 5,000 सरकारी प्राथमिक स्कूलों का विलय कर रही है। उसके फैसले को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी वैध ठहरा दिया है। इससे पहले, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों के विलय का विरोध हुआ था। सवाल है- सरकारें इन स्कूलों का विलय क्यों करती हैं? जवाब है- इनमें विद्यार्थियों की संख्या बहुत कम होती है। कई स्कूल तो ऐसे हैं, जहां विद्यार्थियों की संख्या से ज्यादा शिक्षकों की संख्या है! इन स्कूलों पर सरकारें अरबों रुपए खर्च कर रही हैं। इसके बावजूद नतीजा यह है! अगर समय रहते पढ़ाई की गुणवत्ता सुधारी होती, नए प्रयोग किए होते और बच्चों को प्रोत्साहन दिया होता तो यह नौबत ही न आती। भारत में सरकारी स्कूलों के हालात किसी से छिपे हुए नहीं हैं। क्या वजह है कि सरकारों द्वारा भारी-भरकम राशि खर्च किए जाने के बावजूद सरकारी स्कूल पिछड़ते जा रहे हैं, जबकि प्राइवेट स्कूल, जिनमें से ज्यादातर के शिक्षकों का वेतन बहुत कम होता है, के पास 'उपलब्धि' दिखाने के लिए बहुत कुछ होता है? हमें इस पर विचार करना चाहिए। कुछ लोग सरकारी प्राथमिक स्कूलों में दाखिलों की संख्या में गिरावट आने की बहुत अजीब वजह बताते हैं। उनका मानना है कि 'कुल प्रजनन दर (टीएफआर) में गिरावट आने से ऐसा हो रहा है ... पहले जिन सरकारी स्कूलों में बैठने के लिए जगह बड़ी मुश्किल से मिलती थी, आज वे सुनसान होते जा रहे हैं।' अगर ऐसा है तो उन गांवों से प्राइवेट स्कूलों की बसें भर-भरकर क्यों जा रही हैं?

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में टीएफआर में इतनी गिरावट भी नहीं आई है। अस्पतालों का पांच-छह साल पुराना रिकॉर्ड देखेंगे तो स्पष्ट हो जाएगा कि ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में रोजाना हजारों बच्चों का जन्म हुआ था। आज वे बच्चे स्कूल जा रहे होंगे। अगर उनका दाखिला सरकारी प्राथमिक स्कूलों में कराया जाता तो निश्चित रूप से नामांकन में बड़ी बढ़ोतरी देखने को मिलती। ऐसा नहीं हो रहा है तो स्पष्ट है कि प्राइवेट स्कूलों का पलड़ा भारी है। एक आम आदमी, जो हर महीने बमुश्किल दस-पंद्रह हजार रुपए कमाता है, वह भी चाहता है कि उसके बच्चे अंग्रेजी माध्यम के अच्छे प्राइवेट स्कूल में पढ़ें। यह सोच क्यों पैदा हुई? बेशक लोगों को प्राइवेट स्कूलों से कई शिकायतें हैं। उनके शुल्क में बढ़ोतरी को लेकर हर साल विरोध प्रदर्शन होते हैं। उस समय अभिभावक सरकारों से अपील करते हैं कि वे हस्तक्षेप करें और शुल्क कम करवाएं। उनकी इस मांग को गलत नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि कुछ स्कूलों का शुल्क काफी ज्यादा होता है। हालांकि अभिभावक कभी इस बात के लिए बड़ा आंदोलन नहीं करते कि सरकारी स्कूलों की ओर भी कुछ ध्यान दिया जाए, उनकी गुणवत्ता सुधारी जाए, सुविधाएं बढ़ाई जाएं। जैसे ही प्राइवेट स्कूल अपने शुल्क में थोड़ी-सी कटौती कर देते हैं, विरोध प्रदर्शन बंद हो जाते हैं। कई जगह तो प्राइवेट और सरकारी स्कूल आस-पास ही स्थित होते हैं। एक ओर जहां प्राइवेट स्कूलों में सुबह बच्चों की लंबी कतारें लगी होती हैं, वहीं सरकारी स्कूलों में थोड़े-से बच्चे दिखाई देते हैं। ऐसा ही नज़ारा छुट्टी के समय होता है। सरकारी स्कूलों से अभिभावकों का मोहभंग रातोंरात नहीं हुआ है। प्राइवेट स्कूल एक मजबूत विकल्प बनकर उभरे हैं तो इसके पीछे उनके शिक्षकों की कड़ी मेहनत है। उनके योगदान को स्वीकार करना होगा। जिन इलाकों में सरकारी स्कूल बहुत अच्छे नतीजे दे रहे हैं, वहां अभिभावक अपने बच्चों का उनमें दाखिला भी करवा रहे हैं। आज गुणवत्ता ज्यादा मायने रखती है। जो स्कूल इसकी ओर ध्यान देंगे, वहां बच्चे जरूर आएंगे।

ट्वीटर टॉक

मैं जब देश का गृहमंत्री बना, तब सभी लोग मुझसे कहते थे कि आपको तो बड़ा महत्वपूर्ण विभाग मिल गया है। लेकिन जिस दिन मुझे सहकारिता मंत्री बनाया गया, उस दिन मुझे लगा कि गृह मंत्रालय से भी बड़ा डिपार्टमेंट मुझे मिल गया है।

-अमित शाह

हनुमानगढ़ में दुर्घटना में हुई जनहानि की सूचना अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायलों के शीघ्रातिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं। घायलों को समुचित चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने हेतु जिला प्रशासन को निर्देशित किया गया है।

-भजनलाल शर्मा

चूरू के रतनगढ़ में वायु सेना के लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का दुःखद समाचार मिला है। दर्दनाक हादसे में शहीद हुए पायलटों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। ईश्वर परिवारजनों को दुःख की घड़ी में शक्ति प्रदान करें।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

समस्या से मजबूती

एक बार किशोर चेखव की माताजी को सिलाई मशीन के अभाव में हाथ से रुमाल तैयार करके ग्राहक को देने पड़े। सारी रात सिलाई करने से उनकी दुखती आंखों का हाल बुरा था। उसी पल चेखव ने अपने एक जूनियर को मेडिकल कालेज की तैयारी में मदद करके आमदनी बढ़ाने का संकल्प कर लिया। इक्कीस साल की आयु में वह एक सशक्त कथाकार और चिकित्सा-विज्ञान में हुनरमंद हो चुके थे। महान कथाकार अंतोनी चेखव के प्रशंसक अक्सर उनसे कुछ जानना और सीखना चाहते थे। वह हमेशा यही सीख देते कि विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश फैलाया जा सकता है। हम बाहर की चुनौतियों से नहीं, बल्कि अपने अंदर की कमजोरी से हारते हैं। हमारी सोच का ही फर्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नहीं मजबूत बनाने आती हैं।

सामयिक

शताब्दी वर्ष में समाज परिवर्तन के लिए सक्रिय संघ

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान के स्थानीय अनुभवों तथा लोगों की प्रतिक्रियाओं की इससे ज्यादा अधिकृत जानकारी किसी संगठन को नहीं प्राप्त हो सकती। इस फीडबैक से भविष्य में ऐसी चुनौतियों से निपटने को लेकर समाज व संगठन के साथ सरकार के लिए भी कुछ दिशा मिलेगी। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का विराट स्वरूप प्रदर्शित हुआ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राजधानी दिल्ली में 4 से 6 जुलाई तक आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक वैसे तो राजनीतिक दलों एवं मीडिया के लिए किसी हलचल मचाने वाले समाचार का कारण नहीं बना, पर इसके महत्व से इनकार नहीं किया जा सकता। संघ ने संगठन की दृष्टि से पूरे देश को 11 क्षेत्र एवं 46 प्रांतों में बांटा है। बैठक में सरसंघचालक, सरकार्यवाह एवं सहसर्यकार्यवाह सहित केंद्रीय पदाधिकारियों, सभी प्रांत प्रचारक, सह प्रांत प्रचारक, सभी क्षेत्र प्रचारक, सह क्षेत्र प्रचारक के साथ 32 संघ प्रेरित विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्री शामिल हों तो इसका महत्व समझ में अपने -आप आ जाता है। यानी संघ और इससे जुड़े संगठनों का संपूर्ण संघ प्रतिनिधि नेतृत्व की वहां उपस्थिति केवल मिलने जुलने के लिए तो नहीं हो सकती। संघ का गहराई से अध्ययन करने वाले या निकट से उसकी गतिविधियों पर निष्पक्ष दृष्टि रखने वाले जानते हैं कि बैठकों के सभी सत्रों के विषय एवं प्रारूप निर्धारित होते हैं। विरोधियों के तीखे तेवरों के विपरीत बैठक हमेशा शांत संतुलित व्यवस्थित माहौल में संपन्न होता है। इसमें सामान्य दलीय राजनीति पर विचार के लिए गुंजाइश नहीं होती है। जितनी जानकारी है भाजपा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर बाहर की उत्कंठा के विपरीत यह चर्चा में भी नहीं आया। संघ के वर्ष में कुछ निश्चित आयोजन हैं जिनमें प्रांत प्रचारक बैठक भी शामिल है। मार्च में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक तथा अप्रैल से जून तक प्रशिक्षण वर्गों के संपन्न होने के बाद यह बैठक आयोजित होती है। इसलिए इसमें देश भर के पूरे वृतांत तथा भविष्य के संगठन की योजनाओं पर फोकस रहता है।

वैसे भी संघ का मुख्य फोकस संगठन, समाज जागरण तथा समाज परिवर्तन है तो इसका फोकस वही रहेगा। जैसा हम जानते हैं इस वर्ष विजयादशमी यानी 2 अक्टूबर से संघ शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है। पिछले काफी समय से आगामी 2 अक्टूबर से लेकर 2 अक्टूबर 2026 तक इसके आयोजनों और कार्यक्रमों को लेकर गंभीर चर्चा हमारे सामने आते रहे हैं। स्वाभाविक ही इस समय की अधिकतर बैठकों का केंद्र बिंदु शताब्दी वर्ष ही होगा। जितनी जानकारी है संघ अन्य संगठनों या राजनीतिक दलों की तरह शताब्दी वर्ष पर कोई एक बड़ा आयोजन करने की जगह इसका उपयोग संगठन विसृतार, हिंदुत्व केंद्रित विचार को अधिकतम लोगों तक पहुंचाने तथा समाज परिवर्तन की दृष्टि से कार्यक्रमों के आयोजनों के लिए कर रहा है। योजना अनुसार नागपुर में 2 अक्टूबर को वार्षिक विजयादशमी उत्सव में सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत की हर वर्ष की तरह उपस्थिति एवं संबोधन के साथ उसी दिन देशभर में शाखा/मंडल/बस्ती के स्तर पर उत्सव आयोजित होंगे। विशेष अभियानों के तहत स्वयंसेवक घर-घर जाकर संपर्क करेंगे। गृह संपर्क अभियान के दौरान स्वयंसेवक संघ साहित्य देकर बातचीत करेंगे। सरसंघचालक मोहन भागवत का विशेष संवाद कार्यक्रम चार शहरों दिल्ली, मुंबई, कोलकता, बेंगलूरु में आयोजित होगा, जिसमें आमंत्रित लोगों के समक्ष अपनी बात रखेंगे तथा संवाद भी होगा। संघ ने शताब्दी वर्ष में समाज परिवर्तन की दृष्टि से पांच परिवर्तन का विचार रखा है जिसमें सामाजिक समरसता, परिवार यानी कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, स्व का बोध और नागरिक कर्तव्य शामिल है। दरअसल , मोहन भागवत ने 2021 में समाज परिवर्तन की दृष्टि से ये पांच विषय सामने रखे थे और संघ इस पर काम कर रहा है। इससे संबंधित अलग-अलग सामाजिक सद्भाव सम्मेलन युवाओं का परिवारों का तथा इसी दृष्टि से संवाद आदि के सतत कार्यक्रम हैं। स्वाभाविक ही प्रांत प्रचारक बैठक में कहां-कहां कितने और कौन से कार्यक्रम हो सकते हैं तथा उनमें अपेक्षित संख्या की कितनी संभावना होगी, व्यवस्था कैसे हो रही है आदि विषय विंदूवार चर्चा में आए। बैठक से निकलकर सभी प्रांत और क्षेत्र प्रचारक कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी की दृष्टि से बैठकें, एकत्रीकरण आरंभ कर देंगे।

इनकी गहराई से समीक्षा करें तो साफ हो जाएगा कि समाज और सत्ता में व्याप्त विद्रूपताओं की निंदा , आलोचना, विरोध से परे समाज की सहभागिता से सकारात्मक परिवर्तन का उद्देश्य ही इसके पीछे है। जाति भेद से परे हटकर सामाजिक समरसता के अंतर्गत समाज में सद्भाव बढ़े, परिवारों की पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली बने, हममें स्व-बोध यानी अपने राष्ट्र की महान विरासत, महान सभ्यता, संस्कृति, धर्म, अध्यात्म, फोटो में व्याप्त समाज संगठन उपलब्धियां आदि के प्रति गौरव व्याप्त हो, कुटुंब यानी परिवार के सभी सदस्यों-संबंधियों में आत्मीयता व संस्कारों की वृद्धि हो तथा लोग नागरिक के नाते अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक हो जाएं तो धीरे-धीरे संपूर्ण समाज और देश की स्थिति कितनी सकारात्मक, सहकारी और सशक्त होगी इसकी कल्पना आसानी से की जा सकती है। पहले से इन विषयों पर चर्चाएं हो रही हैं, उनके साहित्य आदि प्रकाशित हैं, बैठकों में भी इन पर मंथन हो रहा है और प्रांत प्रचारक बैठक में संगठन के स्तर पर इसे आगे बढ़ाने की योजना तय हो गई है इसलिए कार्यक्रम भी संपन्न होंगे। विश्व में ऐसा कोई संगठन नहीं होगा जो जितना तय करें सब कुछ उसी के अनुरूप हो जाए और त्वरित लक्ष्यों की प्राप्ति भी। इसलिए यह नहीं कह सकते कि सब कुछ कल्पना के अनुरूप भी हो जाएगा और सारे लक्ष्य भी प्राप्त हो जाएंगे किंतु उस दिशा में कुछ हद तक सफलता मिलेगी यह निश्चित है। जितनी संख्या में व्यक्तियों के अंदर पांच परिवर्तन के लिए भाव जाएंगे वह अपने स्तर पर कुछ ना कुछ करेंगे और समाज के स्तर पर जगह-जगह इन सबके सुखद परिणाम आते रहेंगे। वास्तव में संघ शताब्दी वर्ष की योजना ऐसा नहीं है जिन पर एक वर्ष तक काम किया और फिर।। यह सतत आगे बढ़ते रहने के कार्यक्रम हैं। फिर जिन लोगों से सब ज्ञान के दौरान संपर्क होगा उनके आगे शाखों प्रशिक्षकों आदि की दृष्टि से भी उपयोग की योजनाएं हैं। यानी जो जुड़ें वह छूट नहीं इसकी कोशिश भी होगी। त्वरित परिवर्तन तात्कालिक आंदोलनों से होती है किंतु स्थायी सतत परिवर्तन और प्राप्तियों के लिए अनवरत ऐसे ही समाज के अंदर स्वत: अभियान संचालित होते रहना आवश्यक होता है। संघ की यही कार्य शैली दिखती है।चूंकि स्थापना के कुछ समय बाद से ही संघ के नियमित हर वर्ष प्रशिक्षण वर्ग आयोजित होते हैं, इसलिए उसे स्वयंसेवक और कार्यकर्ता के रूप में युवा वर्ग उपलब्ध होते हैं। इसी वर्ष आयोजित कुल 100 प्रशिक्षण वर्गों में से 40 वर्ष से कम आयु वर्ग के स्वयंसेवकों के लिए आयोजित 75 में 17,609 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया जबकि प्रकार 40 से 60 वर्ष की आयु के 25 वर्गों में 4270 शिक्षार्थियों ने भाग लिया। इन वर्गों में देश के 8812 स्थानों से स्वयंसेवकों की सहभागिता रही। आप चाहे संघ की कितनी कटु आलोचना करिए किंतु सोचिए, क्या भारत या दुनिया में कोई दूसरा संगठन इस स्तर पर नियमित प्रशिक्षण वर्ग चलाता है? स्वयंसेवकों में केवल शाखा के कार्यक्रम तक का ही प्रशिक्षण नहीं होता उनकी रुचि के अनुसार सेवा या अन्य क्षेत्रों में जो कार्य समाज की दृष्टि से वे कर सकते हैं उनसे जुड़े कुछ निश्चित क्षेत्रों में कार्य करने में सक्षम बनाने योग्य या उन्नयन का प्रशिक्षण मिलता है।

बैठक है तो इस बीच देश और दुनिया की घटनाएं भी चर्चा में अवश्य आएंगी। अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने पत्रकारों के प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारत की सभी भाषाएं राष्ट्र भाषाएं हैं, और संघ का मानना है कि प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में होनी चाहिए। भाषा संबंधी संघ की सोच अनेक बार सार्वजनिक रूप से रखी जा चुकी है फिर भी विरोधी यही कहते हैं कि संघ केवल हिंदी की ही बात करता है। एक बार पुनः स्पष्ट करने के बाद शायद दुष्प्रचार करने वाले बाज आयें।

पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान के स्थानीय अनुभवों तथा लोगों की प्रतिक्रियाओं की इससे ज्यादा अधिकृत जानकारी किसी संगठन को नहीं प्राप्त हो सकती। इस फीडबैक से भविष्य में ऐसी चुनौतियों से निपटने को लेकर समाज व संगठन के साथ सरकार के लिए भी कुछ दिशा मिलेगी। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का विराट स्वरूप प्रदर्शित हुआ। उससे बने वातावरण को सनातन आध्यात्मिक मूल्यों के साथ हिंदू समाज की एकता के सुदृढ़ीकरण की दृष्टि से क्या हो रहा ,है क्या कर सकते हैं निश्चय ही ये महत्वपूर्ण विषय हैं हर बैठक में इसकी चर्चा हो रही है। डिजिटल माध्यम के नकारात्मक उपयोग से समाज के अंदर बढ़ रही समस्याओं का समाधान कैसे हो इस पर भी चर्चा होने की सूचना है। जैसा ऊपर बताया गया पूरी बैठक संगठन और कार्यक्रमों पर केंद्रित रही, संघ और विविध संगठनों के संगठन से संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे, इसलिए इसका प्रतिफल धरातल पर दिखाई देगा।

नजरिया

धर्म आत्मा का विषय है, उसे सौदेबाज़ी का औजार बनाना न केवल अपराध है, बल्कि मानवता का भी अपमान है। धर्मांतरण जब व्यक्तिगत चेतना से नहीं, लालच, भय या फरेब से होता है, तो वह धर्म नहीं, शोषण होता है। हमारे लिए जरूरी है कि हम धर्मांतरण की आड़ में चल रहे इन संगठित अपराधों को पहचानें, उनका विरोध करें और समाज को ऐसी गतिविधियों से बचाने के लिए संगठित प्रयास करें। धर्म को न बेचे, न खरीदें - बल्कि समझें, आत्मसात करें और उसकी गरिमा को बचाए रखें।

धर्मांतरण का धंधा: विदेशी फंडिंग और सामाजिक विघटन का षड्यंत्र

डॉ. सत्यवान सौरभ

मोबाइल : 9466526148

धर्म किसी भी समाज की आत्मा होता है, लेकिन जब धर्म का प्रयोग 'धंधे' में बदल जाए तो सवाल सिर्फ आस्था का नहीं, राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों का हो जाता है। उत्तर प्रदेश में एटीएस द्वारा उजागर किए गए एक बड़े धर्मांतरण रैकेट ने यही भयावह सच्चाई हमारे सामने रखी है। कथित रूप से छांगरू बाबा उर्फ जमशेदुद्दीन के नेतृत्व में यह गिरोह न केवल भोले-भाले लोगों का धर्मांतरण कर रहा था, बल्कि इसके पीछे एक व्यवस्थित नेटवर्क, विदेशी फंडिंग और जातिगत लक्ष्य निर्धारण भी शामिल था।

जिस प्रकार से इस रैकेट की कार्यप्रणाली सामने आई है, वह धर्मांतरण को एक सुनियोजित व्यवसाय के रूप में प्रकट करती है। यह कोई व्यक्तिगत आस्था का निर्णय नहीं, बल्कि विदेशी पैसों से संचालित एक मिशन था - जिसमें धर्म, जाति, स्त्री और समाज को एक वस्तु की तरह देखा गया। एफआईआर और जांच रिपोर्ट के अनुसार, धर्मांतरण के लिए बाकायदा 'रेट कार्ड' था। ऊंची जाति की लड़कियों के लिए धर्मांतरण की दर 15-16 लाख रुपये तक थी, जबकि अन्य लड़कियों के लिए 8-10 लाख रुपये। सोचिए, जब धर्म को भी जाति और लिंग के आधार पर मूल्यांकित किया जाने लगे, तो वह किस स्तर तक गिरावट का प्रतीक बनता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस रैकेट के पास 40 बैंक खाते थे जिनमें विदेशों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम भेजी गई। यह रकम किसके इशारे पर भेजी गई, किन उद्देश्यों के लिए, और किन देशों से - यह सवाल सिर्फ जांच एजेंसियों के नहीं, पूरे देश के हैं। क्या यह केवल धर्मांतरण के लिए था या इसके पीछे कोई और बड़ा वैश्विक, राजनीतिक या वैचारिक षड्यंत्र भी छिपा है?

इस रैकेट की कार्यशैली में सोशल मीडिया का जबरदस्त उपयोग किया गया। वीडियो, मोटिवेशनल भाषण, इस्लाम कबूल करने से मिली 'राहत' जैसे फर्जी वीडियो वायरल कर कमजोर तबकों को बरगलाया गया। पहले मानसिक रूप से प्रभावित किया गया, फिर आर्थिक लालच दिया गया और अंत में जबरन धर्मांतरण। यह साइकोलॉजिकल वॉरफेयर जैसा है - जहां पहले मस्तिष्क जीता जाता है, फिर शरीर। और सबसे दुखद यह कि इसे धर्म का नाम दिया गया। इस प्रकरण में बलरामपुर जिले के एक पूरे परिवार के धर्मांतरण की पुष्टि हुई है। वहां महिलाओं और बच्चों को टारगेट कर उन्हें धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया। यह कोई एक अपवाद नहीं, बल्कि उसी पैटर्न का हिस्सा है - जिसमें ग्रामीण, अशिक्षित और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को निशाना बनाया जाता है। यह सामाजिक असमानता का शोषण है। जब राज्य, समाज और प्रशासन इन परिवारों की रक्षा नहीं कर पाते, तो ऐसे गिरोह अपना मकड़जाल फैलाते हैं।

इस रैकेट का सबसे खतरनाक पहलू था - जातिगत दर निर्धारण। ऊंची जाति की लड़कियों के धर्मांतरण के लिए अधिक पैसा दिया जाता था। इसका मतलब है कि धर्मांतरण सिर्फ धर्म का नहीं, जाति-सामाजिक संरचना को तोड़ने का औजार भी बन चुका है।

यह न केवल हिंदू समाज को कमजोर करने की चाल है, बल्कि राष्ट्र को आंतरिक रूप से विखंडित करने की भी रणनीति है। इस मामले पर तथाकथित सेक्युलर बुद्धिजीवी वर्ग चुप है। वही वर्ग जो धर्मनिरपेक्षता' की दुहाई देता है, संविधान की आत्मा' की बात करता है, आज गूंगा बना बैठा है। क्यों? क्या धर्मांतरण को भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मान लिया गया है? क्या किसी गरीब, दलित, महिला या आदिवासी का जबरन धर्म बदलवाना मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं है? अगर किसी दलित के मंदिर में प्रवेश करने से किसी को आपत्ति है, तो उस पर शोर मचता है, लेकिन जब उसी दलित को पैसों से धर्म बदलवाया जाता है तो कोई नहीं बोलता। यह मौन स्वयं एक अपराध है।

यह भी गौरतलब है कि ऐसे मामलों पर राजनीतिक दल अक्सर वोट बैंक की राजनीति के कारण खुलकर प्रतिक्रिया नहीं देते। 'अल्पसंख्यकों की संवेदनशीलता' के नाम पर ऐसे राष्ट्रघातक कृत्यों को नजरअंदाज किया जाता है। सवाल यह है कि क्या देश की अखंडता और सामाजिक समरसता वोट बैंक से भी छोटी हो गई है? अगर कोई हिंदू संगठन धर्मांतरण रोकने की बात करता है तो उसे कट्टरपंथी कह दिया जाता है, लेकिन जब धर्मांतरण के नाम पर विदेशी पैसा आकर समाज को तोड़ता है, तो सब चुप हो जाते हैं। यह मामला अकेला नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे गिरोह सक्रिय हैं जो सामाजिक दुर्बलता, आर्थिक मजबूरी और शिक्षा की कमी का लाभ उठाकर धर्मांतरण करा रहे हैं। इससे निपटने के लिए धर्मांतरण विरोधी कानूनों को और मजबूत बनाना चाहिए। विदेशी फंडिंग की निगरानी के लिए डिजिटल ट्रैकिंग तंत्र को सशक्त करना चाहिए। प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। शिक्षा और रोजगार के माध्यम से समाज को आत्मनिर्भर और सजग बनाना जरूरी है।

धर्म आत्मा का विषय है, उसे सौदेबाज़ी का औजार बनाना न केवल अपराध है, बल्कि मानवता का भी अपमान है। धर्मांतरण जब व्यक्तिगत चेतना से नहीं, लालच, भय या फरेब से होता है, तो वह धर्म नहीं, शोषण होता है। हमारे लिए जरूरी है कि हम धर्मांतरण की आड़ में चल रहे इन संगठित अपराधों को पहचानें, उनका विरोध करें और समाज को ऐसी गतिविधियों से बचाने के लिए संगठित प्रयास करें। धर्म को न बेचे, न खरीदें - बल्कि समझें, आत्मसात करें और उसकी गरिमा को बचाए रखें।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रैली

पटना में बुधवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में बिहार बंद के दौरान इंडिया एलायंस के समर्थक एक विरोध प्रदर्शन रैली में भाग लेते हुए।

आतंक पर आस्था भारी, श्रद्धालु ने मध्य प्रदेश से अमरनाथ तक की पहली कांवड़ यात्रा

उधमपुर/भाषा। बाधाओं को पार करते हुए तथा भक्ति से प्रेरित होकर हरनाम प्रसाद 105 दिनों से जबलपुर से अमरनाथ गुफा मंदिर तक 1,700 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर रहे हैं, जो कि एक अत्यंत असामान्य कांवड़ यात्रा है। उनका कहना है कि आस्था ने तीर्थयात्रा पर जाने वाले प्रत्येक तीर्थयात्री के मन से भय को दूर कर दिया है। हिमालय पर्वतमाला पर 3,880 मीटर ऊंचे मंदिर के लिए 38 दिवसीय तीर्थयात्रा तीन जुलाई को घाटी से दो मार्गों से शुरू हुई थी – अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गंदेरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा छोटा लेकिन अधिक ढलान वाला बालटाल मार्ग। यात्रा नौ अगस्त को समाप्त होगी।

गुफा मंदिर में दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या एक लाख से अधिक हो गई है। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के 105वें दिन, 21 वर्षीय प्रसाद अपने तीन मित्रों के साथ, अमरनाथ गुफा मंदिर में स्थित पूज्य नन्देश्वर महादेव को अर्पित करने के लिए जबलपुर के गवरी घाट से कांवड़ में पवित्र जल लेकर यात्रा के अंतिम चरण में जम्मू-कश्मीर के उधमपुर पहुंचे।

बजरंगबली के झंडे के साथ अपने कंधों पर चार पात्रों में जल लेकर चल रहे प्रसाद का दावा है कि यह हिमालय के गुफा मंदिर की उनकी पहली कांवड़ यात्रा है, जिसे पारंपरिक रूप से भगवान शिव के बर्फ के 'लिंगम' के लिए जाना जाता है। प्रसाद ने कहा, मैं 105 दिनों में 1,700 किलोमीटर से ज्यादा पैदल चलकर आज उधमपुर पहुंच गया हूं। यह यात्रा किसी दिव्य अनुभव से कम नहीं है। मुझे कोई डर नहीं, बस आस्था है। बाबा बर्फानी की ऊर्जा ने मेरी रक्षा की है और यात्रा को सुखद और आनंददायक बनाया है। उनकी यात्रा में रामेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भोलेनाथ की यात्रा के दौरान भय और आतंक जैसे शब्द भुला दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि आस्था ने गुफा मंदिर की यात्रा पर आने वाले प्रत्येक तीर्थयात्री के मन से भय को दूर कर दिया है। उन्होंने कहा, तीर्थयात्रियों की भीड़ उन आतंकवादियों को करारा जवाब है, जिन्होंने पहलगाम में कायरतापूर्ण हमला किया।

जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं के लिए गहरा आभार व्यक्त करते हुए, प्रसाद ने स्थानीय लोगों के आतिथ्य और मार्ग पर प्रदान की गई सुरक्षा की सराहना की।

पाकिस्तान में राजकपूर, दिलीप कुमार की इमारतों के संरक्षण के लिए राशि मंजूर

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान की खैबर पख्तूनख्वा प्रांतीय सरकार ने भारतीय सिनेमा जगत के दिग्गजों दिलीप कुमार और राजकपूर से जुड़ी ऐतिहासिक इमारतों के जीर्णोद्धार और संरक्षण के लिए बुधवार को 3.38 करोड़ रुपए मंजूर किए।

प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और पर्यटन एवं पुरातत्व सलाहकार जाहिद खान शिनवारी की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में इस आवंटन को मंजूरी दी गई। बैठक में विश्व बैंक के एक कार्यक्रम के तहत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में विरासत संरक्षण और पर्यटन संवर्धन के लिए प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। राजकपूर और दिलीप कुमार की ऐतिहासिक इमारतें, जिन्हें पाकिस्तान सरकार पहले ही राष्ट्रीय धरोहर घोषित कर चुकी है, जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। खैबर पख्तूनख्वा पुरातत्व विभाग ने दोनों इमारतों को दोनों अभिनेताओं के जीवन और करियर को समर्पित संग्रहालयों में परिवर्तित करने की योजना बनाई है। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 13 जुलाई 2014 को इन इमारतों को राष्ट्रीय धरोहर स्थल घोषित किया था। पुरातत्व विभाग के निदेशक डॉ. अब्दुस समद ने बताया कि सरकार इन इमारतों का अधिग्रहण करके इसे एक संग्रहालय में बदलना चाहती है, जिसमें दिलीप कुमार और राज कपूर की पेशावर से मुंबई तक की यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा। घोषणा का उद्देश्य ऐतिहासिक इमारत का सांस्कृतिक स्थल के रूप में संरक्षण सुनिश्चित करना है। बैठक में स्वीकृत अन्य विरासत संरक्षण और पर्यटन संवर्धन परियोजनाओं में प्रांत के विभिन्न संग्रहालयों और पुरातात्विक स्थलों का उन्नयन शामिल है।

समद ने कहा कि इन परियोजनाओं का प्राथमिक लक्ष्य प्रांत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करते हुए विरासत पर्यटन को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, इस पहल से न केवल स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि रोज़गार के नए अवसर भी पैदा होंगे। मुख्यमंत्री गंडापुर ने कहा, खैबर पख्तूनख्वा की सांस्कृतिक विरासत न केवल पाकिस्तान के लिए, बल्कि पूरे विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता इस विरासत को संरक्षित करना और पर्यटन के माध्यम से आर्थिक विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए इन परियोजनाओं पर काम शीघ्र ही शुरू होगा।

पाकिस्तान सरकार ने नकदी संकट से जूझ रही पीआईए को बेचने की कवायद की तेज

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान सरकार ने नकदी संकट से जूझ रही पीआईए को बेचने की कवायद की तेज कर दी है। उसका लक्ष्य 2025 के अंत इसे बेचने का है। बुधवार को प्रकाशित मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। सार्वजनिक क्षेत्र की विमानन कंपनी को पिछले साल बेचने की असफल कोशिश के बाद सरकार ने इस दिशा में कार्रवाई तेज की है। समाचार पत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार, निजीकरण आयोग बोर्ड ने मंगलवार को चार स्थानीय कंपनियों को विमानन कंपनी के अधिग्रहण के लिए बोली लगाने के योग्य घोषित किया। इनमें से तीन सीमेंट कारोबार से जुड़ी हैं।

सरकार ने अपने पिछले प्रयास में, 45 अरब रुपए के नकारात्मक बही-खाते के साथ न्यूनतम मूल्य 85.03 अरब रुपए निर्धारित किया था। हालांकि, वह केवल 10 अरब रुपए का प्रस्ताव ही प्राप्त करने में सफल रही। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निजीकरण आयोग बोर्ड ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के विनिवेश के लिए चार इच्छुक पक्षों की पूर्व-योग्यता को मंजूरी दे दी। बोर्ड की अध्यक्षता प्रधानमंत्री के निजीकरण मामलों के सलाहकार मुहम्मद अली ने की। निजीकरण आयोग बोर्ड ने पांच संभावित निवेशकों द्वारा प्रस्तुत योग्यता विवरणों (एसओक्यू) के मूल्यांकन के आधार पर पूर्व-योग्यता समिति की सिफारिशों की समीक्षा की। इनमें से एक बोली लगाने के लिए योग्य नहीं पाया गया। आयोग ने कहा कि पूर्व-योग्य पक्ष अब खरीद-पक्ष के उचित परिश्रम चरण में आगे बढ़ेंगे जो पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी निजीकरण प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अखबार ने मुहम्मद अली के हवाले से बताया कि पीआईए की बोली चालू कैलेंडर वर्ष की अंतिम तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में होने की उम्मीद है।

सरकार पीआईए में बहुलांश हिस्सेदारी के साथ-साथ प्रबंधन नियंत्रण भी बेचना चाहती है।

पीआईए कई वर्ष से वित्तीय संकट से जूझ रही है। यह समस्या 2023 में तब सामने आई जब पीआईए के 7,000 कर्मचारियों को नवंबर 2023 का वेतन नहीं मिला। इससे पहले, यूरोपीय संघ ने सुरक्षा चिंताओं के चलते 2020 में पीआईए पर प्रतिबंध लगा दिया था।

सिनेमा में मां के किरदार समाज के साथ बदले हैं : काजोल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री काजोल अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मां' में दमदार भूमिका में नजर आईं। उन्होंने बॉलीवुड में मां की छवि के बदलाव पर खुलकर बात की। अभिनेत्री का मानना है कि सिनेमा में मां के किरदार समाज के साथ-साथ बदले हैं। उन्होंने बताया कि पहले निरूपा रॉय और नरगिस जैसे किरदारों से लेकर अब उनकी फिल्म 'मां' तक, मां के किरदारों को अब मजबूत और कमजोर दोनों रूपों में दिखाया जा रहा है। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए काजोल ने बताया, बॉलीवुड की मांएं समाज के साथ आगे बढ़ी हैं। हम आज मां को जिस नजरिए से देखते हैं, वही सिनेमा में दिखता है। मांएं हमेशा से मजबूत रही हैं। 'मदर इंडिया' जैसी फिल्में बहुत पहले बन चुकी थीं, जब हम 'मां' जैसी फिल्म के बारे में सोच भी नहीं सकते थे।

अभिनेत्री ने कहा कि मांएं न केवल मजबूत होती हैं, बल्कि उनकी कोमलता और नारीत्व भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, पहले भी मांएं मजबूत थीं, लेकिन अब एक ऐसी मां को स्वीकार किया जा रहा है जो गलतियां भी कर सकती है। वह सुपरवुमन है, लेकिन साथ ही कोमल और नारीवादी भी।

क्या सिनेमा में मांएं थोड़ी स्वार्थी, उग्र और कमजोर दिखाई जा सकती हैं? इस सवाल पर काजोल ने कहा कि बदलाव तब शुरू होता है जब महिलाएं खुद को और दूसरों को उनकी कमियों के साथ स्वीकार करती हैं। उन्होंने बताया, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम महिलाएं एक-दूसरे को कैसे देखती हैं। क्या हम खुद को और दूसरों को छोटी-छोटी कमियों के लिए माफ करते हैं? 'कमी' का मतलब क्या है? अगर आप काम पर गईं, तो क्या यह कमी है? या अगर आप अपने बच्चे का स्कूल प्ले नहीं देख पाईं क्योंकि आप काम कर रही थीं, तो क्या यह आपको कमजोर बनाता है? काजोल का मानना है कि सिनेमा और समाज में मां की छवि को और अधिक मानवीय और वास्तविक बनाने की जरूरत है, जहां उनकी ताकत के साथ-साथ उनकी कमजोरियां भी स्वीकारी जाएं। काजोल ने आगे कहा, हमें खुद से सवाल पूछने होंगे कि हम खुद को कैसे देखते हैं। जैसे-जैसे हमारा नजरिया बदलेगा, समाज का नजरिया भी बदलेगा।

पंजाबी की तुलना में तेलुगू फिल्म सेट पर रहती है ज्यादा गंभीरता : यामिनी मल्होत्रा

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस यामिनी मल्होत्रा पंजाबी के साथ ही तेलुगू फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने दोनों इंडस्ट्री के काम करने के तौर-तरीकों में बड़ा अंतर बताया। यामिनी के अनुसार, पंजाबी फिल्मों के सेट किसी बड़े शादी फंक्शन जैसे होते हैं, जबकि तेलुगू सेट पर सख्त प्रोफेशनल माहौल रहता है। उन्होंने कहा, पंजाबी फिल्म की शूटिंग किसी शादी फंक्शन की तरह है। हर कोई उत्साह से भरा होता है। खाना, हंसी-मजाक और म्यूजिक का माहौल रहता है। काम के बावजूद यह परिवार के एकजुट होने जैसा लगता है। शूटिंग के बाद लोग साथ में समय बिताते हैं, रिश्ते बनते हैं और माहौल बेहद दोस्ती भरा होता है।

वहीं, तेलुगू सेटस के बारे में यामिनी का अनुभव बिल्कुल अलग है। उन्होंने बताया, तेलुगू सेटस पर नियम और सटीकता की सख्ती होती है। हर कोई अपना काम करने के बाद वैनिटी वैन में चला जाता है। आपस में बातचीत बहुत कम होती है। माहौल पूरी तरह प्रोफेशनल और कभी-कभी मशीन जैसा लगता है। 'बिग बॉस 18' की कंटेस्टेंट रहीं यामिनी दोनों इंडस्ट्री की खासियतों को पसंद करती हैं। उनके हिसाब से फिल्म के अनुसार माहौल का भी निर्धारण होता है। वे पंजाबी सेटस की गर्मजोशी और तेलुगू सेटस की दक्षता, दोनों का आनंद लेती हैं। यामिनी अब बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली हिंदी फिल्म 'चिल मारना ब्रो' जल्द रिलीज होगी। तेजस दत्तानी के निर्देशन में बनी यह फिल्म कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें ढेर सारे ट्विस्टस और हंसी-मजाक का तड़का है। यामिनी ने बताया, एक्टिंग मेरा पैशन है। बॉलीवुड में कदम रखना मेरा सपना था, जो अब पूरा हो रहा है। फिल्म की कहानी मजेदार है, जिसमें कॉमेडी और ट्विस्टस का शानदार मिक्सअप है।

हिंदी-मराठी विवाद पर बोले उदित नारायण, 'देश की सभी भाषाओं का हो सम्मान'

मुंबई/एजेन्सी

महाराष्ट्र में उठे हिंदी और मराठी भाषा विवाद पर उदित नारायण ने संतुलित बयान दिया है। उन्होंने सबसे 'संस्कृति का सम्मान' करने की अपील की है। गायक ने इस मसले पर आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में रहने के कारण स्थानीय भाषा और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने कहा कि लोगों को भारत की अन्य भाषाओं की भी इज्जत करनी चाहिए। उदित नारायण ने कहा, अगर आप महाराष्ट्र में रहते हैं, तो आपको मराठी भाषा और वहां की संस्कृति का सम्मान करना चाहिए।

लेकिन साथ ही हमें भारत की दूसरी भाषाओं का भी सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा, हम महाराष्ट्र में रहते हैं और यह मेरी कर्मभूमि है, इसलिए यहां की भाषा खास है। इसके साथ ही, हमारे देश की सभी भाषाएं भी मराठी की तरह ही बराबर सम्मान की हकदार हैं। उदित से पहले इस मामले में कंगना रनौत ने भी अपनी राय पेश की थी। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने देश की एकता पर जोर देते हुए कहा था कि कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए सनसनी फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

कंगना ने मराठी और हिमाचली लोगों की तुलना करते हुए कहा, महाराष्ट्र के लोग, खासकर मराठी लोग, बहुत प्यारे और सीधे-सादे हैं, ठीक वैसे ही जैसे हमारे हिमाचली लोग हैं। कुछ लोग राजनीति में छा जाने के चक्कर में अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए सनसनी फैलाते हैं, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम सब एक देश के हिस्से हैं। उन्होंने आगे कहा, महाराष्ट्र, गुजरात, और दक्षिण भारत सभी जगह के लोग हिमाचल आते हैं। वे कितने भोले लोग होते हैं।

हमें अपने देश की एकता को नहीं भूलना है। बता दें कि महाराष्ट्र में हिंदी और मराठी विवाद दिन पर दिन गर्माता जा रहा है। यह विवाद स्कूलों में हिंदी पढ़ाए जाने को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने एक आदेश जारी करने के बाद शुरू हुआ। दरअसल, महाराष्ट्र सरकार ने एक आदेश जारी किया कि पहली कक्षा से पांचवीं कक्षा तक हिंदी पढ़ना अनिवार्य होगा। इस आदेश के जारी होने पर विपक्ष भड़क गया और जमकर आलोचना की। इस बीच राज्य सरकार ने हिंदी को लेकर जारी सरकारी आदेश को वापस ले लिया।

टाइगर श्रॉफ ने 'बागी 4' की शूटिंग पूरी की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार टाइगर श्रॉफ ने बुधवार को अपनी अपकमिंग एक्शन फिल्म 'बागी 4' की शूटिंग खत्म करने की घोषणा की। इसके साथ ही टाइगर सोशल मीडिया पर क्लैप बोर्ड के साथ अपने सुपर टॉन्ड सिक्स-पैक एब्स दिखाते नजर आए। 'वॉर' अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की। एक तस्वीर में वह क्लैप बोर्ड पकड़े हुए हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में वह अपने दमदार सिक्स पैक एब्स दिखा रहे हैं। यह झलक दिखाती है कि अपनी फिट और मस्कुलर बॉडी के लिए मशहूर टाइगर श्रॉफ ने फिल्म के लिए जबरदस्त मेहनत की है। टाइगर ने बताया भी है कि उन्होंने शायद ही किसी और फिल्म के लिए इतना पसीना बहाया होगा।

श्रॉफ ने तस्वीरे शेयर कर कैप्शन में लिखा, और आखिरकार यह (शूटिंग) खत्म हो गई, आप सभी के प्यार और इस सीक्वल को इतनी दूर तक पहुंचाने के लिए शुक्रिया। मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी किसी फिल्म के लिए इतना पसीना बहाया होगा। आपके लिए जल्द ही आ रहा है।

साजिद नाडियावाला की एक्शन से भरपूर फिल्म 'बागी-4' में सोनम बाजवा भी लीड रोल में नजर आएंगी। पिछले साल नवंबर में टाइगर ने 'बागी-4' की घोषणा की थी, जिसका निर्देशन ए. हर्ष किया है। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, एक काली आत्मा, एक खूनी मिशन। इस बार वह पहले जैसा नहीं है।'' साजिद नाडियाडवाला की 'बागी-4।' 'बागी' फ्रैंचाइजी की शुरुआत 2016 में हुई थी और इसका निर्देशन सब्बीर खान ने किया था। 'बागी' 2004 की तेलुगु फिल्म 'वर्षम' का रीमेक थी। इसका क्लाइमेक्स 2011 की इंडोनेशियाई फिल्म 'द रेड: रिडेम्पशन' से प्रेरित है। इस फिल्म में टाइगर, श्रद्धा कपूर और सुधीर बाबू थे। इसके बाद अहमद खान द्वारा निर्देशित 'बागी 2' 2018 में रिलीज हुई थी। यह तेलुगु फिल्म 'क्षणम' की रीमेक थी। इसमें टाइगर के साथ दिशा पटानी, मनोज बाजपेयी, दर्शन कुमार, प्रतीक बब्बर, रणदीप हुड्डा, दीपक डोबरियाल और अराव्या शर्मा थे। फिल्म की तीसरे पार्ट को अहमद खान ने निर्देशित किया था। यह तमिल फिल्म 'वेट्टई' से प्रेरित थी, जिसमें टाइगर श्रॉफ, रितेश देशमुख और श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे।

शिल्पा शेट्टी फिर से बनी 'सुपर डांसर' में जज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा जल्द ही डांस रियलिटी शो 'सुपर डांसर' में बतौर जज नजर आएंगी। वह चार साल के ब्रेक के बाद फिर से इस शो में लौट रही हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि इस बार शो में सिर्फ बच्चों की कहानी नहीं, बल्कि उनकी मां के संघर्ष की कहानी भी दिखाई जाएगी। एक्ट्रेस ने कहा, ''शो का नया सीजन सिर्फ डांस का जश्न नहीं होगा, बल्कि उन खास नायिकाओं पर भी ध्यान देगा, जो इन छोटे स्टार्स के पीछे छिपी हुई हैं, यानी उनकी माताओं पर। ये माताएं अपने बच्चों के टैलेंट को खोजती हैं, उसे बढ़ावा देती हैं और हर कदम पर उनका साथ देती हैं। इस सीजन में उनकी मेहनत, प्यार और समर्थन को दिखाया जाएगा।'' शो के बारे में

शिल्पा शेट्टी ने बताया, ''अक्सर रियलिटी शो में सिर्फ प्रतियोगियों की स्टेज पर यात्रा दिखाई जाती है। इस बार 'सुपर डांसर' में हम प्रतियोगियों की माताओं की प्रेरणादायक कहानी भी दिखाएंगे।''

उन्होंने कहा, ''मैं खुद भी एक मां हूं, इसलिए मुझे पता है कि एक मां होना कितना खास होता है। हम घर में बहू, बेटी, बहन जैसी कई भूमिकाएं निभाते हैं, लेकिन हमें खुद को मां के रूप में सबसे ऊपर रखना होता है। हम हमेशा अपने बच्चों को आगे बढ़ाने की कोशिशों में लगे रहते हैं। अक्सर बच्चों की तारीफ होती है, इस बीच उन माताओं की मेहनत को कोई नहीं देखता, लेकिन अब उनको भी उतनी ही तारीफ मिलेगी। मैं सभी बच्चों की तरफ से हर मां का धन्यवाद करती हूं, असली स्टार वही हैं।'' शानदार परफॉर्मेंस और दिल छू लेने वाली कहानियों के साथ, जिनमें संघर्ष, त्याग और सपने शामिल हैं, 'सुपर डांसर' 19 जुलाई से शुरू हो रहा है। शो में 12 टैलेंटेड सुपर डांसर होंगे। यह शो हर शनिवार और रविवार को सोनी एंटरटेनमेंट चैनल और सोनी लिव पर प्रसारित होगा।

हीरो बनने आए थे, 'बाबूजी' बनकर छा गए आलोक नाथ

मुंबई/एजेन्सी

आलोक नाथ का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में सबसे पहले एक 'संस्कारी बाबूजी' की तस्वीर उभरती है। वह जो हमेशा बड़े प्यार से अपने परिवार की देखभाल करते हैं, संस्कारों की बात करते हैं और बड़े ही सलीके से बच्चों और बहुओं को समझाते हैं। उनकी यह छवि बॉलीवुड और टीवी दोनों जगह ऐसी बन गई है कि लोग उन्हें 'संस्कारी पिता' के तौर पर ही जानते हैं। बहुत सी फिल्मों में उन्होंने ऐसा किरदार निभाया कि लोग उन्हें असल जिंदगी में भी ऐसा ही समझ बैठते हैं। चाहे वह 'हम आपके हैं कौन', 'विवाह', 'हम साथ साथ हैं' जैसी फिल्में हों या टीवी के मशहूर शो 'बुनियाद' और 'विदाई', आलोक नाथ ने अपने अभिनय से 'संस्कारी बाबूजी' का जो रोल निभाया, वह आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है। लेकिन उनकी जिंदगी और करियर की कहानी उस 'संस्कारी बाबूजी' से बहुत अलग है। असल जिंदगी में उन्होंने काफी संघर्ष किया। बहुत कम लोग जानते हैं कि जब उन्होंने अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था, तब उनका सपना कुछ और ही था। वह हीरो बनना चाहते थे, लेकिन किस्मत ने उन्हें हीरो तो नहीं, लेकिन 'बाबूजी' बनाकर लोगों के दिलों में जगह जरूर दिला दी।

आलोक नाथ का जन्म 10 जुलाई 1956 को बिहार के खगड़िया जिले में हुआ था। बचपन से ही उन्हें एक्टिंग का बहुत शौक था। उन्हें पढ़ाई में कम और एक्टिंग में ज्यादा मन लगता था। उन्होंने एक्टर बनने की बचपन से ही ठान ली थी। इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में दाखिला लिया। वहां उन्होंने थिएटर सीखा और अपने हुनर को निखारा। एक्टिंग में उनका मन पूरी तरह रम गया था और वह हीरो बनने की ख्वाहिश लिए मुंबई आ गए। साल 1982 में उन्हें पहली बार फिल्म 'गांधी' में छोटा सा रोल मिला और इसके लिए उन्हें 20 हजार रुपए की पहली कमाई भी मिली। उस समय उनके पिता की सालाना कमाई 10 हजार रुपए थी। उनकी इस कमाई ने घरवालों को भी चौंका दिया, जिसके बाद आलोक के अभिनय करियर को पिता का भी सपोर्ट मिलने लगा। उन्होंने 'मशाल', 'सारांश', 'मोहरा' जैसी फिल्मों में बतौर सपोर्टिंग एक्टर काम किया। इंडस्ट्री में बने रहने के लिए उन्होंने मजबूरी में 30 साल की उम्र में अपने से दोगुनी उम्र के पिता वाले किरदार निभाए। इस दौरान इन किरदारों से मेकर्स को एक बात समझ में आने लगी कि उनकी शक्ल और अंदाज किसी हीरो की भूमिका में नहीं, बल्कि 'संस्कारी पिता' के रोल में ज्यादा फिट बैठते हैं। साल 1988 में आई फिल्म 'कयामत से कयामत तक' में उन्होंने ऐसे पिता का किरदार निभाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | गुरुवार | 10-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब श्रीराम अपने भाई लक्ष्मण के साथ किष्किंधा पहुंचे, तो हनुमान ने पता लगाया कि कौन आए हैं। उस समय सुग्रीव अपना राज्य खो चुके थे। श्रीराम अयोध्या के राजा होते हुए भी कभी बड़प्पन नहीं दिखाया। पता नहीं क्यों, लेकिन बड़ा बनते ही हमें बड़ा बोलने का लाइसेंस कैसे मिल जाता है? कहीं न कहीं हम खुद को ऊँचा मानने लगते हैं। जबकि सच्चे बड़े लोग, बड़े काम करने में विश्वास करते हैं। छोटे काम तो हर कोई कर सकता है।

नानी बाई का मायरा का समापन आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा तीन दिवसीय 'नानी बाई का मायरो' का आयोजन नॉर्थ टाउन पेराम्बूर में किया गया। अध्यक्ष सुनीता गोयल ने बताया कि मंगलवार से शुरू हुए कार्यक्रम के प्रथम दिन महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई तत्पश्चात दोपहर 3 बजे से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कथावाचिका अलका मिश्राजी ने अपनी ओजस्वी वाणी से नानी बाई के मायरो के अनेक प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन कर उपस्थित लोगों को भाव विभोर कर दिया। गुरुवार को इसका समापन होगा। सचिव रिंकू गोयल, अनिता मोदी, संध्या मंगल, रुक्मणी तिवारी सहित अनेक महिलाओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

वॉटरकूलर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में तेरापंथ महिला मंडल द्वारा माराना गाउंडर सरकारी स्कूल पौनेराजापुरम् में रविवार को एक वॉटर कूलर लगवाया। अध्यक्ष मंजू सेठिया ने उपस्थित सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह वाटर कूलर सीमा आलोक चौरड़िया के सौजन्य से लगाया गया है। इसका अनावरण सीमा आलोक चौरड़िया और मंडल की अध्यक्ष मंजू सेठिया के हाथों से हुआ। महिला मंडल के द्वारा स्कूल के बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित किया।

नेत्र शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में अविशा स्माइल्स डेंटल क्लिनिक में 23वां नि:शुल्क नेत्र शिविर बुधवार को स्व. अमृतलाल टी शाह व पुष्पा बेन शाह की स्मृति में अग्रवाल आई रिसर्च सेंटर हॉस्पिटल के साथ किया गया। जिसमें 63 लोगों ने निशुल्क आंख जांच कराई। 11 लोगों को चश्मे दिए जाएंगे और 3 लोगों को निशुल्क मोतियाबिंदु सर्जरी कराई जाएगी। यह शिविर हरीश शाह, जैमिन शाह चेन्नई के सहयोग से किया गया था।

चातुर्मास करे जीवन में उजास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। यहां तेरापंथ भवन में चातुर्मासिक प्रवचन श्रृंखला के अंतर्गत बुधवार को आचार्यश्री महाश्रमण जी के शिष्य मुनिश्री हेमंत कुमारजी ने चातुर्मास के आध्यात्मिक महत्व पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए।

उन्होंने कहा, चातुर्मास एक आध्यात्मिक पोषण है, जिससे जीवन में उज्ज्वलता आती है। चाहे रात्रि भोजन का त्याग हो या ज्ञानार्जन की साधना। ये दोनों ही जीवन को ऊर्ध्वगामी बनाते हैं। मुनिश्री जी ने बताया कि रात्रिभोजन से परहेज न केवल शारीरिक रूप से लाभकारी होता है, बल्कि यह मानसिक और भावनात्मक शुद्धि का भी मार्ग प्रशस्त करता है। ज्ञानार्जन के प्रभाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि अंतर्मन का परिवर्तन बाह्य जीवन को भी प्रभावित करता है, और बाहरी बदलाव भीतर को भी नया स्वरूप देता है।

मुनि श्री हिमांशु कुमार जी ने वर्षावास की श्रेणियाँ जघन्य, मध्यम और उत्कृष्ट तथा उनके आध्यात्मिक महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आग्रह किया कि चातुर्मास को मनोरंजन का नहीं, आत्मरंजन का अवसर बनाया जाए। उन्होंने कहा, इस कालखंड में हमें 'अहम' से 'अर्हम' की ओर अग्रसर होना चाहिए।

आत्मदर्शन के द्वारा जीवन के परम लक्ष्य की ओर प्रयाण ही चातुर्मास की सार्थकता है। मुनिश्री ने तप, जप, ध्यान और स्वाध्याय को चातुर्मास की अनिवार्य साधनाएँ बताते हुए भावों की शुद्धि को जीवन का अंतिम लक्ष्य बताया। कार्यक्रम की जानकारी तेरापंथ महिला मंडल, मदुरै की अध्यक्ष दीपिका फुलफगर द्वारा दी गई।

अज्ञानता मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहूकारपेट स्थित जैन भवन में बुधवार को राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश ने कहा कि अज्ञान हमारा सबसे खतरनाक शत्रु है जो सही स्वरूप का साक्षात्कार नहीं होने देता। अज्ञान दशा में की गई अमृत जैसी आराधना साधना भी जहर में परिवर्तित हो जाती है। उन्होंने कहा कि अज्ञान अपने आप में अभिशाप माना गया है। उसके लिए गुड और गोबर दोनों समान है, अच्छे और बुरे का निर्णय नहीं कर सकता, बुरे को अपना लेगा, अच्छे को छोड़ देगा अर्थ का अनर्थ हो जाता है।

मुनि कमलेश ने बताया कि अनंत जन्मों के अज्ञान के अंधकार को एक पल मे ज्ञान का प्रकाश नष्ट कर देता है। आत्मा और शरीर का भेद ज्ञान होना ही सच्चा ज्ञान है। राष्ट्रसंत ने कहा कि ऑक्सीजन न मिले तो शरीर का ही नुकसान है ,परंतु सम्यक ज्ञान न मिले तो आत्मा का जन्म-जनमन चरण में नुकसान है। जैन संत ने कहा कि अधूरा ज्ञानी स्वयं के लिए संकट पैदा करता है और दूसरों को भ्रमित और गुमराह करताहै। व्यक्ति को जीवन पर्यंत विद्यार्थी बनकर ज्ञान प्राप्त करने के लिए लालच बना रहना चाहिए ज्ञान का कोई अंत नहीं है अनंत है।

संघ के अध्यक्ष प्रकाश खिंवेसरा बताया असीम पुण्योदय से ज्ञान की गंगा चलकर हमारे आंगन में आई है प्रमाद को छोड़कर ज्ञान गंगा में डुबकी लगानी है। मंत्री संजय पींचा ने मंच का संचालन करते हुए बताया आध्यात्मिक धार्मिक सामाजिक गतिविधियों में उत्साह पूर्वक भाग लेना है। 10 जुलाई को नवकार महामंत्र का जाप सुबह से शाम 6 बजे से तक जैन भवन में होगा। जैन संस्कार मंच, जैन संस्कार महिला शाखा, महिला मंडल सभी ने हर कार्य को पूरा करने का संकल्प लिया। हैदराबाद, औरंगाबाद, पुणे के गुरु भक्तों ने दर्शन सेवा का लाभ लिया।

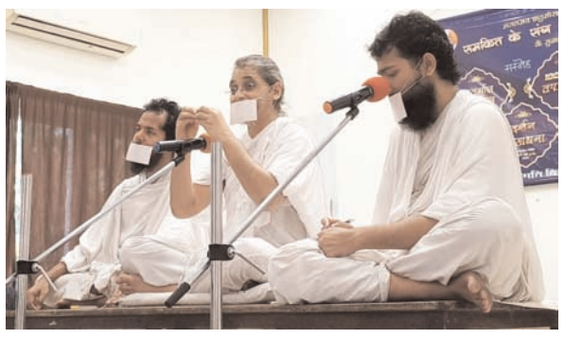

कीर्तन करने से हम स्वयं से जुड़ते हैं : समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजित पूज्य समकित मुनिजी म.सा. ने बुधवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि, कीर्तन करने से हम स्वयं से जुड़ते हैं। उन्होंने आगे कहा, जिन शासन के होने का अर्थ है सभी का बन जाना। मैं यहाँ चातुर्मास में कोई क्लास लेने नहीं आया हूँ, क्लास तो सब लेते हैं, मैं आपको क्लासिकल बनाने आया हूँ। मुनिश्री ने यह भी कहा कि इन चार महीनों में किसी भी प्रकार की कंजूसी न करें। न धर्म में, न ध्यान में, न त्याग और तपस्या में केवल पूरी श्रद्धा से साधना करें।

प्रवचन के दौरान उन्होंने भावपूर्ण शब्दों में कहा, दिलों पर वही राज करता है जिसका दिल बड़ा होता है। मुर्गे के सिर पर भी ताज होता है, लेकिन दिलों पर वही राज करता है जो वास्तव में दिल वाला होता है। उन्होंने जीवन दृष्टिकोण पर भी सवाल उठाया कहा, जब कमाई की बात होती है, तो सोच बड़ी हो जाती है। जैसे आज ज्यादा कमाना है। लेकिन धर्म के क्षेत्र में लक्ष्य छोटा क्यों हो जाता है? एक घंटा प्रवचन सुन सकते हो, तो आधा घंटा क्यों?

मुनिश्री ने श्रीराम के जीवन से उदाहरण देते हुए कहा कि जब श्रीराम अपने भाई लक्ष्मण के साथ किष्किंधा पहुंचे, तो हनुमान ने पता लगाया कि कौन आए हैं। उस समय सुग्रीव अपना राज्य खो चुके थे। श्रीराम अयोध्या के राजा होते हुए भी कभी बड़प्पन नहीं दिखाया। पता नहीं क्यों, लेकिन बड़ा बनते ही हमें बड़ा बोलने का लाइसेंस कैसे मिल जाता है? कहीं न कहीं हम खुद को ऊँचा मानने लगते हैं। जबकि सच्चे बड़े लोग, बड़े काम करने में विश्वास करते हैं। छोटे काम तो हर कोई कर सकता है। अंत में उन्होंने कहा 'खुद के प्रोफेसर बनो।' चातुर्मास के पहले दिन गुरु पूर्णिमा पर गुरुवार को 'परदेसी क्यों बदल गया' विषय पर विशेष प्रवचन आयोजित किया जाएगा। इस चातुर्मास में समकित मुनिजी म.सा. के साथ भावंत मुनिजी म.सा. और जयवंत मुनिजी म.सा. भी विराजमान रहेंगे। चार महीने तक चलने वाले इस चातुर्मास में विशेष धार्मिक गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी।

जिनवाणी श्रवण से हमारी आत्मा शीतल व कषाय दूर होते हैं : साध्वीश्री हर्षपूर्णाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने कहा कि हमें चातुर्मास काल में छह आवश्यक(क्रिया) से आराधना करनी है। श्रावकों के छह आवश्यक में पहले आवश्यक में सामायिक आती है। सम, आय और इक की संधि करने से सामायिक शब्द बनता है। हमारी आत्मा को शीतल करने वाली जिनवाणी श्रवण करने से हमारी आत्मा के कषाय दूर होते हैं। बीता हुआ समय एक बार व्यतीत होने के पश्चात वापस नहीं आएगा। हमें इस समय का सदुपयोग अभी कर लेना है। दूसरे आवश्यक में चौबीस तीर्थंकरों की वन्दना है जिसमें परमात्मा की सेवा पूजा, वन्दना करना है। सिर्फ जैन दर्शन में ही परमात्मा का स्पर्श कर सकते हैं। परमात्मा के स्पर्श से हमारी आत्मा में स्पंदन होना चाहिए जिससे उसी क्षण में हमारे अनन्त कर्मों से छुटकारा मिल जाता है। तीसरे आवश्यक में पंच महाव्रत धारी साधु संतों को वन्दना करना है। एक बार का विधिवत गुरु वन्दन हमारे पापों का नाश करता है। पंचम आवश्यक में कायोत्सर्ग है, कायोत्सर्ग में हमारी आत्मा का ध्यान करना है और काया के राग को छोड़ना है। छठे आवश्यक में प्रत्याख्यान है। हमारी आत्मा को तप प्रत्याख्यान के माध्यम से हमें अभाव दशा से स्वभाव दशा में लाना है। दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा निगोद निवारण तप का प्रारम्भ 12 जुलाई से होगा। साधना के मार्ग में एक क्षण के प्रमाद से हम पुनः बादर व्यवहार राशि निगोद में पहुंच सकते हैं। साध्वीश्री चातुर्मास में ज्ञानसार सूत्र ग्रंथ का वांचन करेंगी जिसे उन्हें प्रदान करने अर्थात बोहराने का लाभ धर्मीदेवी छगनलाल भन्साली परिवार ने किया तथा समरादित्य चारित्र को बोहराने का लाभ पन्नालाल गौतमचंद कवाड़ परिवार ने लिया।

जिनवाणी श्रवण से जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम में लॉयड्स रोड स्थित छाजेड़ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित क्रांतिकारी प्रवचनकार श्री कपिल मुनि जी म.सा. के चातुर्मासिक ओजस्वी प्रवचन श्रृंखला का आगाज बुधवार को पंच परमेष्ठी, अनंत लब्धि निधान गौतम स्वामी और तीर्थंकर भगवंतों की स्तुति के साथ हुआ। इस मौके पर मुनिश्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के दौर में जहाँ विकथा का शोर है वहां धर्म कथा के श्रवण का योग मिलना प्रबल भाग्योदय का सूचक है। जीवन में सुनने का बहुत महत्व है व्यक्ति जैसा सुनता है उसके अनुरूप ही उसकी सोच आदत और संस्कार निर्मित हो जाते हैं। नकारात्मक सुनने से जीवन में जीवन के स्तर में गिरावट आती है तो सकारात्मक बातों के सुनने से जीवन स्तर में सजावट आती है निरन्तर सुनते रहने से जीवन मे सकारात्मक बदलाव आता है। अतः जिनवाणी श्रवण को अपनी दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाएं। एक धर्म वचन के श्रवण में सदगति दिलाने का सामर्थ्य है। जो अहोभाव पूर्वक वीतराग वाणी का श्रवण करता है उसके जीवन की दशा और दिशा बदल जाती है। चेतना के रूपांतरण का मजबूत उपाय है जिनवाणी का धर्म कथा रूपी स्वाध्याय। मुनिश्री ने आगे कहा कि जीवन मे लेने के बजाय देने में ज्यादा आनंद की अनुभूति होती है। जो कि सफल जीवन की कसौटी है हमें जो भी मिला है उसे बांटते रहे। प्रकृति का नियम है कि हम जो भी देते वही हमें प्रतिदान में प्राप्त होता है।

सौभाग्यशाली है वे जिन्हें इस चातुर्मास में संत समागम का संयोग प्राप्त हुआ है। गुरुदेवश्री ने कहा कि इस संसार में बेहद कठिनाई से मिलने वाली चीज हैं संत समागम और धर्म कथा का श्रवण। इनका संयोग खुश किस्मत वालों को ही मिल पाता है। अभागे हैं वो लोग जो इन श्रेष्ठतम अवसरों का लाभ नहीं उठा पाते हैं।

गुरुदेव श्री ने कहा कि संत समागम से जीवन की धारा बदलती है। जीवन के धर्म और आत्मा के मर्म को समझने का सर्वोत्तम उपाय है संत समागम। उन्होंने कहा कि संत समागम और प्रभु वाणी श्रवण से विवेक का प्रकाश मिलता है। जो भीतर में व्याप्त अंधकार को छिन्न भिन्न करता है। जहाँ अंधकार है वहाँ डर है। अज्ञान से बड़ा कोई अन्धकार नहीं।

अध्यक्ष अमरचंद छाजेड़ ने बताया कि गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जीवन मे गुरु की महत्ता और उपयोगिता पर गुरुदेव का विशेष प्रवचन सुबह होगा। धर्मसभा का संचालन संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

चातुर्मास की आराधना अलंकार के समान है : आचार्य हीरचंद्रसूरीश्वरजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री हीरचंद्रसूरीश्वरजी महाराजा के सान्निध्य में बुधवार को चातुर्मासिक चौदस की आराधना हुई। इस अवसर पर आचार्यश्री को संघ ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने आग्रहपूर्वक उपधान तप करवाने की विनंती की। उन्होंने संघ ट्रस्ट के पदाधिकारियों को आग्रहपूर्वक विनंती को स्वीकार कर उपधान तप का मुहूर्त प्रदान किया। यह उपधान तप आचार्यश्री की निश्रा में ईसीआर स्थित श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन नवग्रह जिनालय में 29 नवंबर को प्रारंभ होगा और मोक्षमाला 17 जनवरी 2026 को होगी।

आचार्यश्री ने उपधान तप की महिमा बताते हुए कहा कि उपधान यानी आत्मा के अंदर जाने का सुंदर मार्ग है। उपद्यान यानी साधु जीवन का आस्वाद है। उपधान यानी नवकार आदि सूत्रों का लाइसेंस है। ऐसे उपधान को किए बिना कैसे रह सकते हैं? उन्होंने इस आत्मशोध चातुर्मास की विवेचना करते हुए कहा कि यह चातुर्मास शुद्ध चेतना को आध्यात्मिक, नैतिक, वास्तविक, भक्तिमय बनाने वाला ऐतिहासिक चातुर्मास है। चातुर्मास की आराधना अलंकार के समान है।

पंन्यास विमल पुण्यविजयजी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह चातुर्मास भीतर की आत्मा के स्वरूप को जानने का सुअवसर है। आत्मा के भीतर अध्यात्म की खोज का अनुपम अवसर है। परमात्मा और हमारी आत्मा का स्वरूप एक ही है। हमें इस स्वरूप को पहचानना है।

पंन्यास प्रवर ने आगे कहा जीवन में हमें आत्मा को जगाना है। गाय घास खाकर भी दूध देती है। मनुष्य भव में रूखा-सूखा खाकर भी जीया जा सकता है। अपने भीतर के गुणों को प्रकट करने का सामर्थ्य सम्यक दर्शन में है। दर्शन यानी श्रद्धा। चातुर्मास में हमें सर्वश्रेष्ठ दर्शन को पाना है। तप-जप के माध्यम से आत्मा को भव्य बनाना है। शरीर को बहुत खिलाने पर भी वह तप-जप में साथ नहीं देगा। जीवन में सोते-सोते कई भव खत्म हो गए, अब तो जागने का समय आ गया है। इस मौके पर संघ ट्रस्ट के चेयरमैन शांतिलाल जैन, अध्यक्ष अरुण ओस्तवाल, पूर्वाध्यक्ष नरेन्द्र साकरिया, पदमचंद चौधरी, सचिव मुकेश शाह, कोषाध्यक्ष मुकेश जैन, प्रवीण जैन समेत कई गणमान्य मौजूद थे। संचालन शिखर कोचर ने किया।

नवकार महामंत्र सभी पापों का नाशक व मंगल भावों का जनक है : आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी, महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी व दक्षप्रभाकरजी की निश्रा में बुधवार से चातुर्मास की आराधना प्रारंभ हुई। पहले दिन आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने कहा कि जैन धर्म व दर्शन में सामायिक की क्रिया की विशेष महत्ता बताई गई है। भगवान महावीर ने सामायिक करने वाले श्रावक-श्राविका को बहुत पुण्यशील बताया है। सामायिक का अर्थ है समता की साधना। इस क्रिया में जैन श्रावक-श्राविकाएं एकांत भाव में रहकर तीर्थंकरों व धर्म का चिंतन करते हैं। जो व्यक्ति रोज सामायिक

करता है वह व्यक्ति बिना धन या पदार्थ व्यय किए बिना महापुण्य कर्म का संचय करता है। रोज सामायिक करना जैन धर्म के श्रावक-श्राविकाओं का प्रथम कर्तव्य होना चाहिए।

आचार्यश्री ने कहा कि जैन धर्म में नवकार मंत्र को महामंत्र की श्रेणी में रखा गया है। इस मंत्र में राग या विराग नहीं, बल्कि यह मंत्र साधक को वीतराग की ओर ले जाता है। जैन धर्म के अनुसार सभी देवों में श्री वीतराग देव को, सभी तीर्थों में श्री शत्रुंजय तीर्थ को और सभी मंत्रों में नवकार मंत्र को श्रेष्ठ माना गया है। नवकार मंत्र का प्रथम शब्द णमो है, जिसका अर्थ है नम जाओ। जो नमता है वही गुणों में रमता है और वही प्रभु को गमता है यानी प्रभु तक पहुँचता है। णमो शब्द का अर्थ है अहंकार छोड़ो। इस नवकार मंत्र में कुल नौ पद हैं, इसलिए इसे नवकार कहा जाता है। लेकिन नवकार का एक आशय नमस्कार भी है, इसलिए इसे नमस्कार मंत्र नाम से भी जाना जाता है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.